राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,06अगस्त2020 वर्ष–3, अंक –191 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज पूरा हुआ सदियों पुराना सपना

आने वाली पीढ़ियों को आस्था, श्रद्धा और संकल्प की प्रेरणा देता रहेगा श्रीराम मंदिरः मोदी

अयोध्या ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में बहुप्रतीक्षित राम मंदिर निर्माण की नींव रखी। इसके बाद अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि आज करोड़ों भारतीयों की अभिलाषा, आशा पूरी हुई। आज के इस पवित्र अवसर पर सभी को कोटि-कोटि बधाई। पीएम ने भगवान राम और माता सीता की जय जयकार के साथ अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि करोड़ों रामभक्तों को आज इस पवित्र अवसर पर कोटि-कोटि बधाई। आज इसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि आना बड़ा स्वाभाविक था क्योंकि राम कीज कीजे बिना मोहि कहां विश्राम। उन्होंने कहा कि आज के दिन की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। राम की शक्ति देखिए इमारतें टूटीं पर उनका अस्तित्व नहीं टूटा। आज सदियों का सपना पूरा हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज सरयू के किनारे एक स्वर्णिम अध्याय रच रहा है। सोमनाथ से काशी विश्वनाथ तक आज अयोध्या इतिहास रच रहा है। आज पूरा भारत राममय है। पूरा देश रोमांचित है। हर मन दीपमय है। आज पूरा भारत भावुक है। सदियों का इंतजार आज समाप्त हो रहा है। करोड़ों लोगों को आज ये विश्वास ही नहीं हो रहा होगा कि वो अपने जीते जी इस पावन दिन को देख रहा है।वर्षों से टाट और टेंट के नीचे रहे हमारे रामलला के लिए एक भव्य मंदिर का निर्माण होगा। टूटना और फिर से खड़ा हो जाना सदियों से इस गति क्रम से राम जन्मभूमि आज मुक्त हुई है। मेरे साथ एक बार फिर बोलिए जय सियाराम। जय सियाराम।

पीएम ने राम मंदिर को आजादी की लड़ाई से जोड़ा

पीएम ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के समय कई-कई पीढ़ियों ने अपना सबकुछ समर्पित कर दिया था। आजादी के लिए आंदोलन न चला हो ऐसा उस कालखंड में कभी नहीं रहा। 15 अगस्त का दिन उस अथाह तप के लाखों बलिदान का प्रतीक है। ठीक उसी तरह राम मंदिर के लिए कई-कई सदियों तक, कई-कई पीढ़ियों ने अखंड अविरल एक निष्ट प्रयास किया है। आज का ये दिन उसी तप, त्याग और संकल्प का प्रतीक है।

इमारतें नष्ट हुईं, पर राम का अस्तित्व नहीं मिटा

उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए चले आंदोलन में अर्पण भी था तर्पण भी था। संघर्ष था। जिनके त्याग, बलिदान और संघर्ष से आज ये सफल हो रहा है, मैं उन सब लोगों को 120 करोड़ देशवासियों की तरफ से सिर झुकाकर नमन करता हूं। गंगा वंदन करता हूं। संपूर्ण सृष्टि की शक्तियां राम जन्मभूमि के पवित्र आंदोलन से जुड़ा हर व्यक्ति पर जो जहां हैं, इस आयोजन को देख रहा है। वो भावविभोर है। सभी को आशीर्वाद दे रहा है। साथियो राम हमारे मन में गढ़े हुए हैं। हमारे भीतर घुलमिल गए हैं। कोई काम करना हो तो प्रेरणा के लिए हम भगवान राम की ओर ही देखते हैं। आप भगवान राम की अदभुत शक्ति देखिए। इमारते नष्ट हो गईं, क्या कुछ नहीं हुआ अस्तित्व मिटाने का हर कोई प्रयास हुआ। बहुत हुआ। लेकिन राम आज भी हमारे मन में बसे हुए हैं। हमारी संस्कृति के आधार हैं। श्रीराम भारत की मर्यादा हैं। श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसी आलोक में अयोध्या मे राम जन्मभूमि पर श्रीराम के इस भव्य, दिव्य मंदिर के लिए आज भूमि पूजन हुआ है।

मंदिर निर्माण के साथ ही बदलेगा अयोध्या का अर्थतंत्र

पीएम ने कहा यहां आने से पहले मैंने हनुमानगढ़ी का दर्शन किया। राम के सब काम हनुमान ही तो करते हैं। राम के आदर्शों की कलयुग में रक्षा की जिम्मेदारी हनुमान की है। उन्हीं के आशीर्वाद से राम मंदिर का भूमि पूजन हुआ। राम मंदिर आधुनिक समय का प्रतीक बनेगा। हमारी शाश्वस्त आस्था का प्रतीक बनेगा। हमारी राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बनेगा। ये मंदिर करोड़ों लोगों की सामूहिक संकल्प शक्ति का भी प्रतीक बनेगा। ये मंदिर आने वाली पीढ़ियों को आस्था, श्रद्धा और संकल्प की प्रेरणा देता रहेगा। इस मंदिर के बनने के बाद अयोध्या की भव्यता ही नहीं बढ़ेगी बल्कि इश क्षेत्र का पूरा अर्थतंत्र बदल जाएगा। हर क्षेत्र में अवसर बढ़ेंगे।

यह ऐतिहासिक पल युगो-युगों तक फहराता रहेगा भारत की कीर्ति पताका

पीएम ने कहा कि राम मंदिर की निर्णाण की प्रक्रिया राष्ट्र को जोड़ने का महोत्सव है। यह नर को नारायण से जोड़ने का उपक्रम है। आज का यह ऐतिहासिक पल युगो-युगों तक भारत की कीर्ति पताका फहराता रहेगा। आज का यह दिन करोड़ों रामभक्तों के संकल्प की सत्यतता का प्रमाण है। यह न्यायप्रिय भारत की एक अनुपम भेट है।कोरोना से बनी स्थितियों के कारण भूमि पूजन का ये कार्यक्रम अनेक मर्यादाओं के बीच हो रहा है। श्रीराम के काम में जैसा मर्यादा पेश किया जाना चाहिए देश ने वैसा ही उदाहरण पेश किया है। इसी मर्यादा का अनुभव हमने तब भी किया जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। उस समय भी देशवासियों ने शांति के साथ सभी की भावनाओं का ख्याल करते हुए व्यवहार किया था। आज भी हम हर तरफ वही मर्यादा देख रहे हैं।

भूमिपूजन कर पीम ने न सिर्फ मंदिर की बल्कि हिन्दू राष्ट्र की भी आधारशिला रखी है: ओवैसी

हैदराबाद/ अयोध्याः अयोध्या में राममंदिर भूमिपूजन को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर से तीखे बोल किए हैं। ओवैसी ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी ''धर्मनिरपेक्षता पर हिन्दुत्व की जीत है। उन्होंने कहा कि 'भूमि पूजन' में भाग लेकर मोदी संवैधानिक प्रणाली का पालन करने में असफल रहे हैं। ओवैसी ने संवाददाताओं से कहा, ''भारत के प्रधानमंत्री का वहां जाकर भूमि पूजन में भाग लेना... आज धर्मनिरपेक्षता पर हिन्दुत्व की जीत है।'' उन्होंने कहा, ''आज स्वतंत्रता और समानता पर बहुसंख्यवाद की जीत हुई है।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होकर प्रधानमंत्री ने न सिर्फ मंदिर की, बल्कि हिन्दू राष्ट्र की भी आधारशिला रखी है

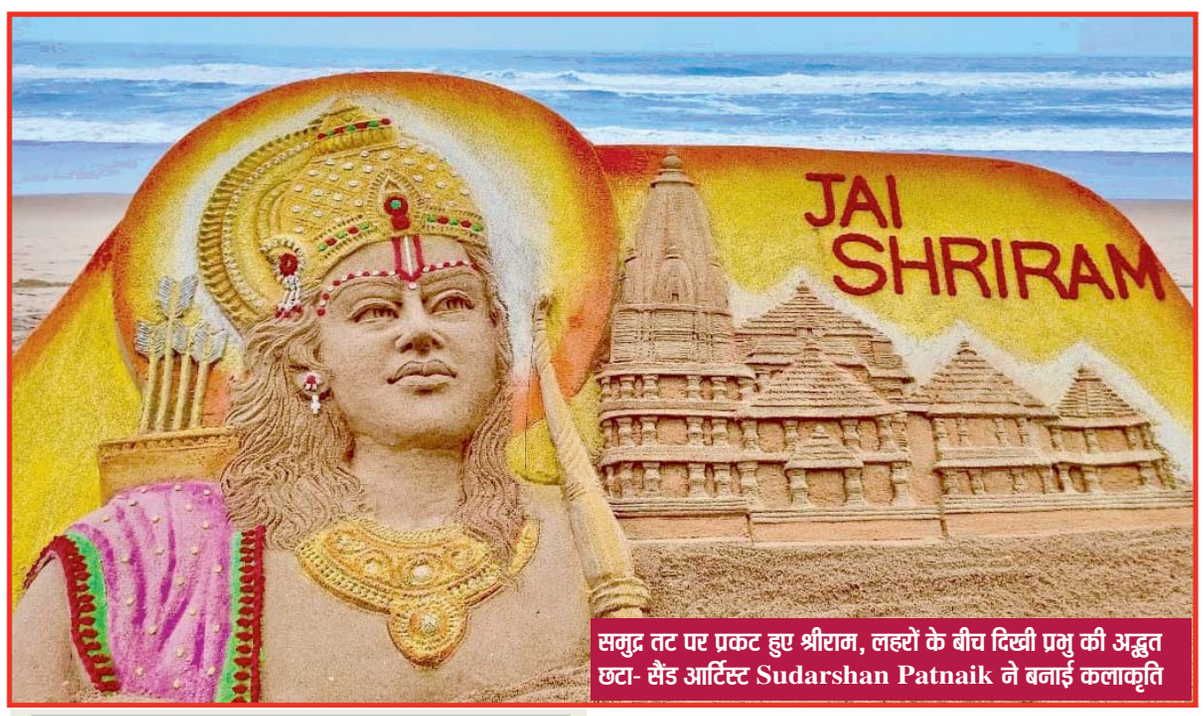

समुद्र तट पर प्रकट हुए श्रीराम, लहरों के बीच दिखी प्रभु की अद्भुत छटा- सैंड आर्टिस्ट Sudarshan Patnaik ने बनाई कलाकृति

राम मंदिर 'भूमि पूजन' शिवसेना खुश, कहा- बाल ठाकरे का सपना हुआ पूरा

मुम्बईः शिवसेना ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन से पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे का सपना ''साकार'' हुआ है। वहीं, उसकी सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने इसे ''खुशी का मौका करार दिया।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पूजन किया। भाजपा की पूर्व में सहयोगी पार्टी रही शिवसेना राम जन्मभूमि आंदोलन की प्रबल समर्थक रही है। उसने भव्य मंदिर निर्माण लिए लंबे समय से प्रतीक्षित शिलान्यास कार्यक्रम पर देश की जनता को बधाई दी। राकांपा ने इस कार्यक्रम को सभी के लिए ''खुशी का पल'' बताया और कहा कि भगवान राम भारतवासियों के आराध्य हैं। शिवसेना नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा, ''सभी हिंदुओं की भावना के प्रतीक भगवान राम के मंदिर का आज भूमि पूजन हुआ। यह हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के सपनों के साकार होने और हम सब के लिए खुशी का दिन है।''

केजरीवाल ने लगाया जय श्री राम! जय बजरंग बली! नारा, बोले-देशवासियों को राम मंदिर की बधाई

नेशनल डेस्क। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन को लेकर बुधवार को देशवासियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि भूमि पूजन के मौके पर पूरे देश को बधाई। भगवान राम का आशीर्वाद हम पर बना रहे। उनके आशीर्वाद से हमारे देश को भुखमरी, अशिक्षा और गरीबी से मुक्ति मिले और भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बने। आने वाले समय में भारत दुनिया को दिशा दे। जय श्री राम! जय बजरंग बली!

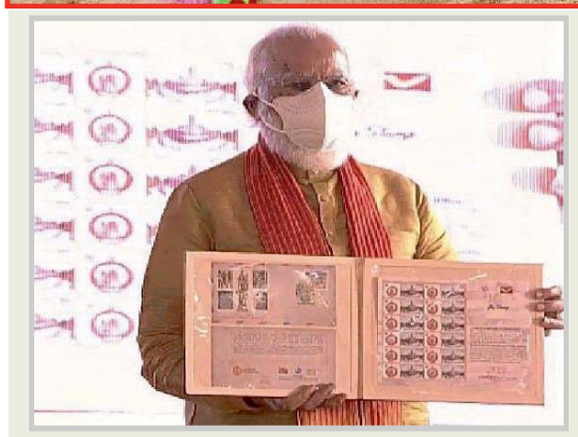

पीएम मोदी ने राम जन्मभूमि का डाक टिकट किया जारी

अयोध्याः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर' का शिलान्यास करने के बाद कहा कि राम मंदिर राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है तथा इससे समूचे अयोध्या क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। अपने संबोधन से पहले प्रधानमंत्री ने मंदिर निर्माण की आधारशिला से संबंधित एक पट्टिका का अनावरण किया और इस मौके पर 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर' से संबंधित विशेष डाक टिकट भी जारी किया।

पूरा हुआ इंतजार

पीएम मोदी ने अयोध्या में रखी श्री राम मंदिर की नींव, 48 मिनट तक हुई पूजा

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना आज सच हो गया। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधि विधान के साथ मंदिर की नींव रखी। पीएम मोदी ने अपने ऐतिहासिक दौरे की शुरूआत हनुमानगढी के दर्शन कर की। जिसके बाद उन्होने श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के दर्शन किए और आरती उतारी। प्रधानमंत्री मोदी भारतीय पारंपरिक पोशाक हल्के पीले रंग का कुर्ता, सफेद धोती और भगवा रंग के गमझे में थे। काशी के प्रकांड तीन विद्धानों ने भूमि पूजन का अनुष्ठान शुरू किया। पीएम मोदी को यजमान के तौर पर संकल्प दिलाया गया और गणेश पूजन के साथ भूमि पूजन का कार्यक्रम शुरू हो गया।

करीब 48 मिनट चली पूजा :

इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत मौजूद थे। पुरोहितों ने प्रधानमंत्री से विधिवत पूजा अर्चना कराई। इस दौरान चांदी की नौ शिलाओं का पूजन किया गया। करीब 12 बजे शुरू हुआ भूमि पूजन कार्यक्रम करीब 48 मिनट चला। अभिजीत मुहुर्त में भूमि पूजन और शिला पूजन सम्पन्न होने के बाद श्री मोदी ने साक्षात दंडवत कर देश की तरक्की और कोरोना के नाश का वरदान प्रभु श्रीराम से मांगा। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद हर हर महादेव,जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाये गए।

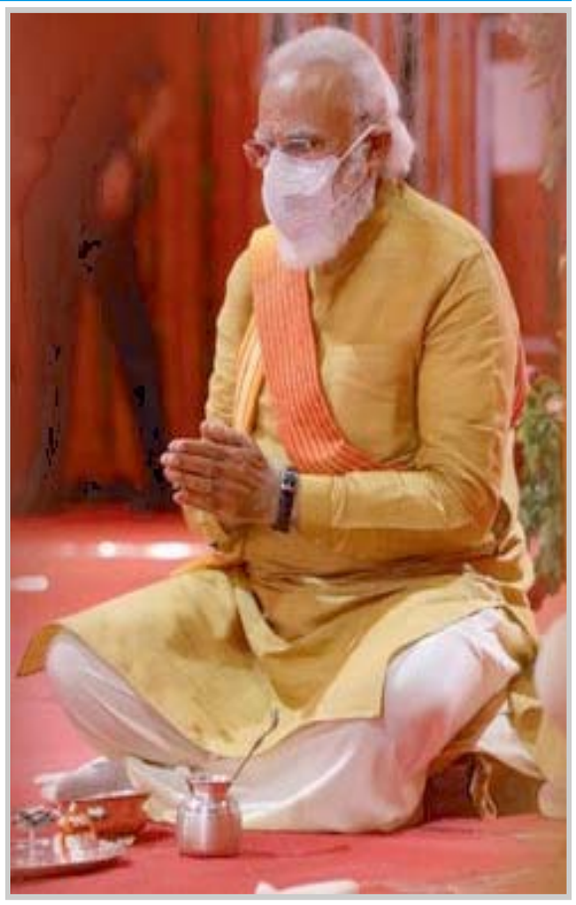

भय बिन होय न प्रीत

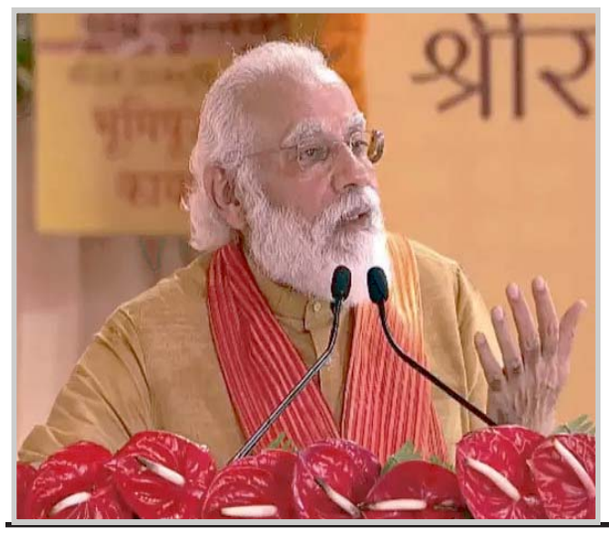

मोदी ने अयोध्या के मंच से चीन, पाकिस्तान को चेताया

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या के मंच से पाकिस्तान और चीन को सांकेतिक रूप से कड़ा संदेश दिया। राम चरित मानस के सुंदरकांड के एक दोहे के अंश भय बिन होय न प्रीत को दोहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत जितना ताकतवर होगा, उतनी ही शांति बनी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भूमि पूजन के बाद अपने संबोधन में भगवान राम के संदेशों को एक-एक करके बताया। उन्होंने कहा, श्रीराम जी की नीति है- भय बिन होय न प्रीत। इसलिए हमारा देश जितना ताकतवर होगा, उतनी ही प्रीति और शांति बनी रहेगी। राम की यही रीति सदियों से चली आ रही है। हालिया समय में चीन सीमा पर चल रहे तनाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। जिस तरह से उन्होंने भारत के ताकतवर होने पर ही शांति होने की बात कही, उससे माना जा रहा है कि चीन और पाकिस्तान दोनों के लिए इसमें कड़े संदेश छिपे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस दोहे के अंश का उच्चारण किया, वह पूरा दोहा यूं है, विनय न मानत जलधि जड़ गए तीनि दिन बीत। बोले राम सकोप तब भय बिन होय न प्रीत। राम चरित मानस के सुंदरकांड में यह दोहा उस प्रसंग से जुड़ा है, जब भगवान राम लंका जाने के लिए समुद्र से रास्ता देने की विनती कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि श्रीराम की शिक्षा है- कोई भी दुखी और गरीब न हो। उनका सामाजिक संदेश है- नर और नारी सभी समान रूप से सुखी हों। श्रीराम का निर्देश है कि किसान, पशुपालक, सभी हमेशा खुश रहें। श्रीराम का आदेश है -बुजुर्गों, बच्चों, चिकित्सकों की सदैव रक्षा होनी चाहिए। श्रीराम का आह्वान है कि जो शरण में आए उसकी रक्षा करना सभी का कर्तव्य है।

पीएम मोदी की मां ने टीवी पर देखा ऐतिहासिक भूमि पूजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करीब सौ वर्षीय मां हीरा बेन भी अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन की साक्षी बनीं। उन्होंने पूरे पूजन कार्यक्रम को टीवी पर लाइव देखा। सामने आईं तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी जब मंदिर निर्माण के लिए पूजन कर रहे थे और साष्टांग दंडवत हुए थे, तब उनकी मां हीरा बेन भी टीवी के सामने प्रसन्न मुद्रा में हाथ जोड़े हुए नजर आ रहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मां हीराबेन की ये तस्वीरें भूमि पूजन के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कश्मीर की चाल

अलगाव की बुनियाद बने अनुच्छेद-370 और 35ए की समाप्ति के एक साल बाद जम्मू-कश्मीर कुछ कदम तो आगे जरूर बढ़ा है, मगर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। देश के कायदे-कानून लागू होने के उपरांत जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी देश के शेष नागरिकों की तरह हासिल सुविधाएं मिलने लगी हैं, मगर अभी दिलों को जोड़ने के लिये बहुत कुछ करना शेष है ताकि कश्मीर के लोग राष्ट्रीय मुख्यधारा से जुड़ सकें। कहना मुश्किल है कि कश्मीर में आतंकवाद पूरी तरह समाप्त हो गया है, लेकिन उसकी निरंकुशता पर लगाम लगी है और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे भी गये हैं। सुरक्षाबलों की सतर्कता के चलते घाटी में घुसपैठ की तमाम कोशिशें विफल हुई हैं। वैश्विक स्तर पर बार-बार मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। यहां तक कि मुस्लिम देशों के संगठन के जरिये वह भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता रहा। कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाये जाने को एक साल पूरा होने पर पाक ने विरोध की व्यापक रणनीति बनायी है, जिसमें उसने बांग्लादेश को भी शामिल करने की असफल कोशिश की है। पिछले दिनों अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी को पाक का सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान से नवाजने को उसकी हताशा ही कहा जा सकता है। यहां तक कि जब पाक समेत पूरी दुनिया कोविड-19 की महामारी से जूझ रही है, पाक भारत में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने से बाज नहीं आ रहा है। आज जरूरत इस बात की है कि उन कारणों की तलाश की जाये जो अलगाववाद की संस्कृति को प्रश्रय देते हैं। साथ ही युवाओं को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये रोजगार के नये अवसर सृजित करने की जरूरत है। उन्हें बताने की जरूरत है कि वे कैसे देश की मुख्यधारा से जुड़कर तमाम अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। खासकर कोविड-19 के बाद उत्पन्न हालात के चलते कश्मीर में विशेष रोजगार मुहिम चलाने की जरूरत है। पर्यटन उद्योग को विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल जम्मू-कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का है। हालांकि, महबूबा मुफ्ती को छोड़कर लगभग सभी नजरबंद राजनेताओं की रिहाई हो चुकी है, लेकिन अभी भी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं परवान नहीं चढ़ी हैं। यद्यपि पिछले दिनों उपराज्यपाल जीसी मुर्मू ने कहा था कि विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के बाद वहां चुनाव कराये जा सकते हैं। समय की मांग है कि राज्य में नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली की जाये। हालांकि, रिहाई के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला कह चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर का दर्जा बहाल न होने तक वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, मगर राजनीतिक प्रक्रिया से उनकी पार्टी के अलग रहने की बात उन्होंने नहीं की। दरअसल, राज्य में दिसंबर, 2018 में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद नेताओं की सक्रिय राजनीति पार्श्व में चली गई। हालांकि, पंचायत स्तर की राजनीति गतिविधियों को गति मिली है। यह जरूरी है ताकि कश्मीर में राजनीतिक नेताओं की नई पीढ़ी तैयार हो सके। कश्मीर में कुछ नये राजनीतिक दल भी सक्रिय हुए हैं, जिसमें पीडीपी से जुड़े रहे कुछ नेता भी शामिल हैं। वक्त की मांग है कि राज्य से जुड़े फैसलों में नागरिकों की भागीदारी हो। कोशिश हो कि लोग भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा बनें और अलगाववादियों के बहकावे में न आएं। अभिव्यक्ति की आजादी को विस्तार मिले। निस्संदेह जम्मू-कश्मीर अनुच्छेद-370 हटने के बाद सही दिशा की ओर अग्रसर है, मगर अभी भी इसके लिये बहुत कुछ करना बाकी है। घाटी में यदि राजनीतिक रूप से निर्वात नजर आयेगा तो अलगाववादियों को दखल बढ़ाने का मौका मिलेगा।

अथक संघर्ष की जीत है राम मंदिर निर्माण

ललित गर्ग

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम मन्दिर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में होना, नये भारत के अभ्युदय की शुभ एवं गौरवमय ऐतिहासिक घटना है, जो युग-युगों तक इस देश को सशक्त बनाने का माध्यम बनती रहेगी। हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की स्थापना के लिये भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। आज असंख्य जनमानस की व्यापक आस्थाओं के कण-कण में विद्यमान श्रीराम के मन्दिर का निर्माण की शुभ शुरुआत होना, एक अनूठी एवं प्रेरक घटना है, एक कालजयी आस्था के प्रकटीकरण का अवसर है, जो भारत के लिये शक्ति, स्वाभिमान, गुरुता एवं प्रेरणा का माध्यम बनेगी। इससे हिन्दू राष्ट्र के निस्तेज होते सूर्य को पुनः तेजस्विता एवं गुरुता प्राप्त होगी। श्रीराम मन्दिर निर्माण की भूमिका तक पहुंचने के लिये असंख्य लोगों की आस्था एवं भक्ति के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, भारतीय जनता पार्टी का लम्बा संघर्ष रहा है, यह मन्दिर निर्माण उनके सुदीर्घ संघर्ष की जीत है। इस जीत के बाद भी अभी और भी बहुत तरह के संघर्ष बाकी हैं। असली मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा तभी होगी जब हिन्दू समाज कुरीतियों-कुरूढ़ियों-विकृतियों मुक्त होगा, आडम्बर एवं प्रदर्शन मुक्त होकर समतामूलक समाज की स्थापना करेगा। भारत अपने आत्म-सम्मान एवं शक्ति को हासिल करते हुए सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक-आर्थिक स्तर पर विश्व गुरु की भूमिका का निर्वाह करेगा। हमें शांतिप्रिय होने के साथ-साथ शक्तिशाली बनकर उभरना होगा, ताकि फिर कोई आक्रांता हमें कुचले नहीं, हम पर शासन करने का दुस्साहस न कर सकें। सचमुच श्रीराम भारत के जन-जन के लिये एक संबल है, एक समाधान है, एक आश्वासन है, निष्कंटक जीवन का, अंधेरों में उजालों का। भारत की संस्कृति एवं विशाल आबादी के साथ दर्जनभर देशों के लोगों में यह नाम चेतन-अचेतन अवस्था में समाया हुआ है। यह भारत जिसे आर्यावर्त भी कहा गया है, उसके ज्ञात इतिहास के श्रीराम प्रथम पुरुष एवं राष्ट्रपुरुष हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र को उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व तक जोड़ा था। दीन-दुखियों और सदाचारियों की दुराचारियों एवं राक्षसों से रक्षा की थी। सबल आपराधिक एवं अन्यायी ताकतों का दमन किया। सर्वोच्च लोकनायक के रूप में उन्होंने जन-जन की आवाज को सुना और राजतंत्र एवं लोकतंत्र में जन-गण की आवाज को सर्वोच्चता प्रदान की। इस मायने में श्रीराम मन्दिर लोकतंत्र का भी पवित्र तीर्थ होगा। भगवान श्रीराम अविनाशी परमात्मा हैं जो सबके सृजनहार व पालनहार हैं। दरअसल श्रीराम के लोकनायक चरित्र ने जाति, धर्म और संप्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया। भारत में ही नहीं, दुनिया में श्रीराम अत्यंत पूज्यनीय हैं और आदर्श पुरुष हैं। थाईलैंड, इंडोनेशिया आदि कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीराम केवल भारतवासियों या केवल हिन्दुओं के मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं हैं, बल्कि बहुत से देशों, जातियों के भी मर्यादा पुरुष हैं जो भारतीय नहीं। रामायण में जो मानवीय मूल्य दृष्टि सामने आई, वह देशकाल की सीमाओं से ऊपर उठ गई। वह उन तत्वों को प्रतिष्ठित करती है, जिन्हें वह केवल पढ़े-लिखे लोगों की चीज न रहकर लोक मानस का अंग बन गई। इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम राष्ट्र में नागरिक रामलीला का मंचन करते हैं तो क्या वे अपने धर्म से भ्रष्ट हो जाते हैं? इस मुस्लिम देश में रामलीलाओं का मंचन भारत से कहीं बेहतर और शास्त्रीय कलात्मकता, उच्च धार्मिक आस्था के साथ किया जाता है। ऐसा इसलिये संभव हुआ है कि श्रीराम मानवीय आत्मा की विजय के प्रतीक महापुरुष हैं, जिन्होंने धर्म एवं सत्य की स्थापना करने के लिये अधर्म एवं अत्याचार को ललकारा। इस तरह वे अंधेरों में उजालों, असत्य पर सत्य, बुराई पर अच्छाई के प्रतीक बने। श्रीराम मन्दिर बनना रामराज्य की परिकल्पना को साकार रूप देने का सशक्त माध्यम बनेगा। आजाद भारत में संकीर्ण मानसिकता, तथाकथित धर्मनिरपेक्षता, घृणा, उन्माद, कट्टरवाद और साम्प्रदायिकता राजनीति के आधार बने एवं इस तरह की राष्ट्र एवं समाज तोड़क तत्वों से सत्ताएं बनती एवं बिगड़ती रही है। इस तरह की घृणित एवं तथाकथित राजनीति की जड़ें गहरी न होती तो श्रीराम मंदिर निर्माण कब का हो गया होता। अब जबकि श्रीराम मंदिर निर्माण होने जा रहा है तो हमें गर्व भी हो रहा है और इस तरह का आभास भी हो रहा है कि अब समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली ताकतों का वर्चस्व समाप्त होगा, राजनीति में भी स्वस्थ मूल्यों को बल मिलेगा। यह मन्दिर धर्म की स्थापना एवं बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक बनेगा, जरूरत है अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी मन्दिर की संस्कृति एवं आस्था को जीवंत बनाने की। बहुत कठिन है धर्म की स्थापना का यह अभियान एवं तेजस्विता की यह साधना। क्योंकि कैसे संघर्ष करें घर में छिपी बुराइयों से, जब घर आंगन में रावण-ही-रावण पैदा हो रहे हों। हमें भगवान श्रीराम को अपना जीवन-आदर्श बनाना ही होगा, उनके साहस, संयम एवं मर्यादा के मूल्यों को जीवनशैली बनाना ही होगा। तभी श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनः स्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। श्रीराम मन्दिर का शिलान्यास स्वयं की पहचान एवं अस्मिता को जीवंतता देने का अवसर है, जो हमें फिर से अपनी जड़ों को मजबूती देने के लिये सोचने का धरातल दे रहा है कि कथित धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा के जोश में हम अपने अतीत को अनदेखा नहीं करें, अपने गौरवमय अतीत को धुंधला न होने दे। यदि राष्ट्र की धरती अथवा राजसत्ता छिन जाये तो शौर्य से उसे वापस हासिल किया जा सकता है। यदि धन नष्ट हो जाए तो परिश्रम से कमाया जा सकता है, परन्तु यदि राष्ट्र अपनी पहचान ही खो दे तो कोई भी शौर्य या परिश्रम उसे वापस नहीं ला सकता। हमारे राष्ट्र की पहचान को धुंधलाने के अनेक षड्यंत्र एवं कथित दमनकारी इरादे हावी होते रहे हैं, लेकिन हमारी एकता एवं संस्कृति के प्रति आस्था ने उनके नापाक इरादों को कभी सफल नहीं होने दिया। क्योंकि भारत की संस्कृति एवं संस्कारों में दो अक्षरों का एक राम-नाम गहरा पैठा एवं समाया हुआ है, उसके बल पर हम हर बाधा को पार कर सकते हैं। श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। सुबह बिस्तर से उठते ही राम। बाहर निकलते ही राम-राम, दिन भर राम नाम की अटूट श्रृंखला। फिर शाम को राम का नाम और जीवन की अंतिम यात्रा भी 'राम नाम सत्य है' के साथ। आखिर इसका रहस्य क्या है? घर में राम, मंदिर में राम, सुख में राम, दुख में राम। शायद यही देख कर अल्लामा इकबाल को लिखना पड़ा- 'है राम के वजूद पर हिन्दोस्तां को नाज, अहले वतन समझते हैं, उनको इमामे हिंद।' श्रीराम का जो विराट व्यक्तित्व भारतीय जनमानस पर अंकित है, उतने विराट व्यक्तित्व का नायक अब तक के इतिहास में कोई दूसरा नहीं हुआ। राम के जैसा दूसरा कोई पुत्र नहीं। उनके जैसा सम्पूर्ण आदर्श वाला पति, राजा, स्वामी कोई भी दूसरा नाम नहीं। श्रीराम किसी धर्म का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवीय चरित्र का प्रेरणादायी प्रतीक है। श्रीराम सुख-दुख, पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म, शुभ-अशुभ, कर्तव्य-अकर्तव्य, ज्ञान-विज्ञान, योग-भोग, स्थूल-सूक्ष्म, जड़-चेतन, माया-ब्रह्म, लौकिक-पारलौकिक आदि का सर्वत्र समन्वय करते हुए दिखाई देते हैं। इसलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम तो हैं ही, लोकनायक एवं मानव चेतना के आदि पुरुष भी हैं। भारत के विभिन्न धार्मिक संप्रदायों और मत-मतांतरों के प्रवर्तक संतों ने श्रीराम की अलग-अलग कल्पना की है। इनमें हर एक के श्रीराम अलग-अलग हैं, लेकिन सभी के श्रीराम मर्यादा के प्रतिमूर्ति एवं आदर्श शासन-व्यवस्था की ऊंची रोशनी की मीनार हैं। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढ़कर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है।

आज के ट्वीट

पूरा पाकिस्तान

ये अखंड भारत है । नक्शे बनाने से कुछ नहीं होता । जूनागढ़ हमारा था, हमारा है और हमारा ही रहेगा । इमरान खान, वैसे देखा जाए तो पूरा पाकिस्तान ही हमारा है ।

--अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

आध्यात्मिक विकास

सद्गुरु

तर्क का यह स्वभाव होता है कि वह हमेशा समानता की तलाश करता है, ताकि वह संबंध स्थापित कर सके। अध्यात्म की खोज के रास्ते में यह एक बड़ी रुकावट है। समानता और एकरूपता में इस सृष्टि के स्वरूप और स्वभाव को नहीं समझा जा सकता है। गौर से देखें तो इस रचना की केवल बाहरी सतह पर ही आपको समानताएं नजर आएंगी। उदाहरण के लिए दो गोरे रंग के या दो काले रंग के इंसानों को ले लीजिए। आप उन्हें केवल बाहर से देखते हैं और आपको लगता है कि दोनों एक जैसे हैं, लेकिन अगर आप दोनों के भीतर जाकर जानना चाहें तो क्या वे दोनों एक जैसे होंगे? यानी समानता की खोज में तर्क सहज रूप से बाहरी सतह पर टिका रह जाता है। अगर आप भीतर की ओर जाएंगे और समानता खोजने की कोशिश करेंगे तो आप परेशान हो जाएंगे। अगर आप किसी भी चीज को गहराई में जाकर देखें, तो चाहे आपकी उंगलियों के निशान हों, आंख की पुतली हो या बाल, हर चीज विशिष्ट है। अगर आप इस पूरे ब्रह्मांड में ढूंढें तो आपको कोई भी दो चीज ऐसी नहीं मिलेंगी, जो ठीक एक जैसी हों। समानताएं आपके मन के तार्किक पक्ष का पोषण करती हैं। आपके तर्क जितने दृढ़ होंगे, आप उतना ही सतह पर रहेंगे। इस सृष्टि के रहस्य की गहराई में उतरने के लिए आपको अपने मन को इस प्रकार से प्रशिक्षित करना होगा कि यह समान चीजों की तलाश न करे और फिर पूरी सजगता के साथ आरामदायक और सुविधाजनक स्थिति से बाहर कदम बढ़ाना होगा। जो चीजें आपके लिए नई हैं, अज्ञात हैं, जिनसे आपका परिचय नहीं है, आप उनके साथ सहज महसूस नहीं करते। यह अपरिचित ईश्वर भी हो सकता है, लेकिन फिर भी किसी अनजान देवता के बजाय किसी परिचित दुष्ट को हम जल्दी स्वीकार कर लेते हैं। जाना-पहचाना दुष्ट भी आरामदायक लगता है। जो अनजान है, हो सकता है वह देवदूत हो, पर अनजान की खोज करने का साहस हमारे अंदर नहीं होता! लोग परिचित चीजों में ही फंस कर रह जाते हैं। वे जाने-पहचाने रास्ते पर ही रोज चलना चाहते हैं। जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ती है, परिचित चीजों का उनका जो दायरा है, वह छोटा होता जाता है और कुछ समय बाद उनके लिए सबसे बड़ा साहसिक काम ताबूत में चले जाना होता है।

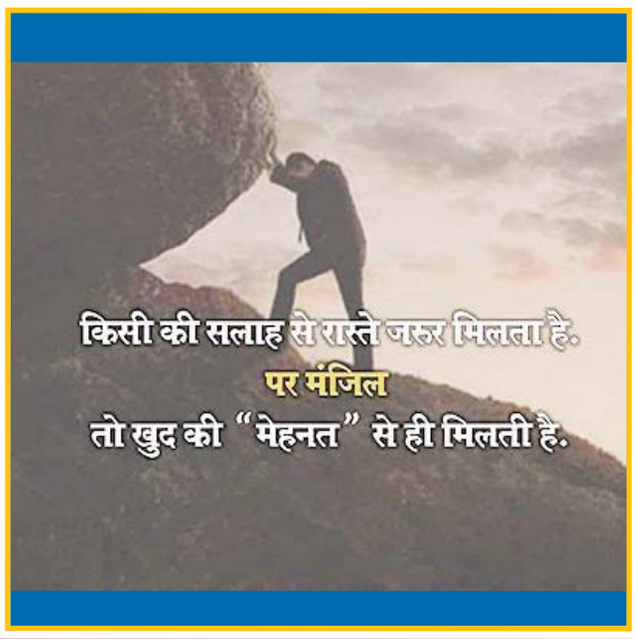

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

राम का काज पूरा

(लेखक- सिध्दार्थ शंकर)

492 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा आखिरकार खत्म हो गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को 12 बजकर 15 मिनट और 15 सेकंड पर राम मंदिर का भूमिपूजन किया। खास बात यह है कि भगवान श्रीराम ने अभिजित मुहूर्त में जन्म लिया था और उसी मुहूर्त में मंदिर के लिए भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन के लिए गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, रावी, चिनाब व व्यास समेत अन्य नदियां। रामभक्तों ने देश के प्रसिद्ध पवित्र कुंडों का जल भी अयोध्या लाया गया। साथ ही हल्दीघाटी, चित्तौड़, दुर्ग, स्वर्ण मंदिर के कुंड का जल व मिट्टी, वैष्णो देवी, मैसेकर घाट, सभी ज्योतिर्लिंगों के प्रांगण की मिट्टी, सरस्वती उद्गम स्थल का जल व रज, रविदास मंदिर काशी, बाबा साहेब आंबेडकर की इच्छा भूमि व संघ की उद्गम स्थली नागपुर की रज व पवित्र जल, मानसरोवर की पवित्र रज भी शामिल किया गया। वैसे तो अयोध्या अपने आप में इतिहास है। सप्तपुरियों में एक मानी जाने वाली इस नगरी को पांच बैकुंठों में एक साकेत से भी सुंदर नगरी की संज्ञा स्वयं भगवान राम ने दी है। माना जाता है कि महात्मा राजा मनु के लिए स्वयं भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी ने इसे धरती पर उतारा था। इसे विडंबना कहा जाए या संयोग कि इस नगरी में स्थित श्री रामजन्मभूमि स्थल पर मंदिर-मस्जिद का विवाद खड़ा हुआ और वह इतना लंबा खिंचा कि कई तारीखें इतिहास बनती और बनाती चली गईं। ठीक वैसे ही जैसे 5 अगस्त की तारीख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की शुरुआत के साथ अयोध्या के इतिहास में जुड़ गई है। इसके साथ ही मोदने एक और इतिहास रचा। मोदी अयोध्या जाने वाले और रामलला के दर्शन करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद देश के प्रधानमंत्री अयोध्या गए नहीं। पर, अलग-अलग प्रायोजन से और इस स्थान से दूरी बनाते हुए। पिछले पांच दशकों में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी बतौर प्रधानमंत्री यहां आए तो लेकिन, जन्मस्थान से दूरी रखी।इंदिरा गांधी 1966 में नया घाट पर बने सरयू पुल का लोकार्पण करने आईं फिर आचार्य नरेन्द्र देव विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में आईं। इसके बाद 1979 में हनुमान गढ़ी दर्शन करने आईं। राजीव गांधी भी प्रधानमंत्री रहते दो बार और पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में एक बार आए। उन्होंने 1984 में चुनावी सभा को यहां संबोधित किया और फिर 1989 के लोकसभा चुनाव के अभियान की फैजाबाद (अयोध्या) से शुरुआत कर प्रतीकात्मक रूप से राम नाम के सरोकारों का सियासी लाभ लेने की कोशिश की। माना जाता है कि फैजाबाद (अयोध्या) से चुनाव प्रचार शुरू करने और रामराज्य की घोषणा के पीछे राजीव गांधी की मंशा 1986 में जन्मभूमि का ताला खुलवाने और नवंबर 1989 में शिलान्यास कराने के कामों का परोक्ष रूप से राजनीतिक लाभ लेने की थी। पर, कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पड़ा। इसके बाद राजीव कारसेवा आंदोलन की तपिश के बीच 1990 में सद्भावना यात्रा के सिलसिले में यहां आए। पर, जन्मभूमि मंदिर से दूर रहे। भाजपा की केंद्र में दो बार सरकार बनी और दोनों प्रधानमंत्री सीधे अयोध्या ही आए। मोदी से पहले अटल बिहारी वाजपेयी 2003 में अयोध्या आए थे। पर, मंदिर के निमित्त किसी सीधे अनुष्ठान में शामिल होने के

बजाय इस आंदोलन के प्रमुख व शीर्ष चेहरे महंत रामचंद्र परमहंस के अंतिम संस्कार में शामिल होने। यह बात दीगर है कि तब उन्होंने सरयू तट पर महंत की चिता के सामने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की उनकी इच्छा पूरी करने की घोषणा की थी। अब अटल जी की इच्छा भी पूरी हो गई है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण अब शुरू होने वाला है, तो यह पूरे देश के लिए गौरव का पल है। अयोध्या में राम का मंदिर कानून की कई कसौटी पर खरा उतरने के बाद यहां तक पहुंचा है।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण दरअसल, जनआस्था से जुड़ा मामला है। शुरू से बहुमत मंदिर के पक्ष में रहा है। मगर लगभग सभी राजनीतिक दलों ने इसे सियासी मुद्दा बना दिया था, जिसके चलते यह और उलझता चला गया था। जबकि हकीकत यह भी है कि मुसलिम समुदाय के बहुत सारे लोग इस बात से सहमत थे कि विवादित भूमि पर राम मंदिर बनना चाहिए। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले का मुसलिम समुदाय ने भी स्वागत किया है। इस फैसले पर सद्भाव और सौहार्द का जैसा परिचय मिला है, वह निस्संदेह सराहनीय है। लगभग पांच सदी तक चले संघर्ष के बावजूद भक्तों को विश्वास था कि एक न एक दिन रामलला का भव्य मंदिर बनेगा और रामलला उसमें विराजेंगे। आज उस मंदिर का भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों हुआ है।

इस परियोजना के लिए जर्मनी बैंक देगा बंगाल को इतना बड़ा कर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बिजली मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने कहा है कि जर्मनी का केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक राज्य की बिजली वितरण कंपनी को 600 करोड़ रुपये का सस्ता कर्ज देने को राजी हुआ है। यह कर्ज राज्य के पूर्व मेदिनीपुर जिले में पहले चरण में 125 मेगावाट क्षमता की सौर पार्क परियोजना के लिये है। उन्होंने कहा कि परियोजना का क्रियान्वयन पश्चिम बंगाल राज्य बिजली वितरण कंपनी लि. करेगी। इस परियोजना के पूरा होने से राज्य में सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता दोगुनी हो जाएगी। कर्ज 15 साल के लिये है और इस पर ब्याज दर 0.15 प्रतिशत है। यह परियोजना की कुल लागत 750 करोड़ रुपये का 80 प्रतिशत है। चट्टोपाध्याय ने कहा पूर्व मेदिनीपुर के दादनपत्र में पहले चरण में 125 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क विकसित किया जाएगा। परियोजना की लागत का बड़ा हिस्सा 600 करोड़ रुपये का वित्त पोषण केएफडब्ल्यू कर रहा है। इस पर ब्याज की सीमांत दर 0.15 प्रतिशत है। शेष राशि हम लगाएंगे। परियोजना 200 मेगावाट की है। परियोजना के लिये 1,000 एकड़ जमीन की जरूरत होगी। इसमें से 600 एकड़ की व्यवस्था कर ली गयी है। आर्थिक मामलों के विभाग ने जर्मनी के सार्वजनिक बैंक से कर्ज लेने को मंजूरी दे दी है। फिलहाल पश्चिम बंगाल में सौर बिजली उत्पादन क्षमता 131 मेगावाट है।

कमजोर मांग के कारण कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चातेल की कीमत 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,134 रुपये प्रति बैरल रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 17 रुपये अथवा 0.54 प्रतिशत की हानि के साथ 3,134 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 3,545 लॉट के लिए कारोबार हुआ। कच्चातेल के सितंबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 16 रुपये अथवा 0.5 प्रतिशत की हानि के साथ 3,164 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 78 लॉट के लिए कारोबार हुआ। हालांकि, वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चातेल की कीमत 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 41.76 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 44.53 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

आईईएक्स में जुलाई में बिजली का औसत हाजिर मूल्य 27 प्रतिशत घटकर 2.47 रुपये प्रति यूनिट रहा

नयी दिल्ली। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) में अगले दिन की बिजली आपूर्ति के लिये (डे अहेड मार्केट) औसत हाजिर मूल्य सालाना आधार पर 27 प्रतिशत घटकर 2.47 रुपये प्रति यूनिट रहा। अगले दिन की आपूर्ति के लिये माह के दौरान कुल 448.7 करोड़ यूनिट बिजली का कारोबार हुआ। बयान के अनुसार, ''अगले दिन की आपूर्ति के लिये माह के दौरान औसत बाजार समाशोधन कीमत 2.47 रुपये प्रति यूनिट रही। यह जुलाई, 2019 के 3.38 रुपये प्रति यूनिट के मुकाबले 27 प्रतिशत कम है।'' बाजार में बिजली मूल्य आकर्षक बने रहने से वितरण कंपनियों और उद्योग को इस दौरान उल्लेखनीय बचत हुई। बाजार में बिक्री के मामले में अधिशेष की स्थिति बनी हुई है। बिक्री के लिये कुल 973.4 करोड़ यूनिट की बोलियां आयीं जबकि खरीद को लेकर 519.9 करोड़ युनिट की बोलियां आयीं। आईईएक्स में कुल बिजली कारोबार जुलाई, 2020 में 533.4 करोड़ यूनिट रहा। जुलाई में कारोबारी मात्रा पिछले महीने के मुकाबले 11 प्रतिशत अधिक रही और सालाना आधार पर लगभग बराबर है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर बिजली खपत और बिजली पूरे माह के दौरान एक देश, एक बिजली की स्थिति रही। इस लिहाज से बिजली खरीद के साथ-साथ अनुकूलतम लागत के मामले में आईईएक्स अधिक भरोसेमंद भागीदार बनी।

कोविड-19 की दवा विकसित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर कर रहे काम : सिप्ला

नयी दिल्ली।

दवा कंपनी सिप्ला कोविड-19 की दवा विकसित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। कंपनी के चेयरमैन वाई. के. हामिद ने कहा कि इसके साथ ही कंपनी ने कई जीवनरक्षक आवश्यक दवाओं का उत्पादन भी बढ़ाया है कंपनी की 2019-20 की वार्षिक रपट को शेयरधारकों के साथ साझा करते हुए हामिद ने कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए कंपनी आगे रहकर काम कर रही है हामिद ने कहा, ''सिप्ला वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर कोविड-19 के इलाज के लिए दवा विकसित करने पर काम कर रही है।' उन्होंने कहा कि इस बीच कंपनी अपने वैश्विक सहयोगियों के साथ मिलकर उन दवाओं की आपूर्ति भी कर रही है जिनके कोविड-19 के इलाज में अच्छे परिणाम सामने आए हैं। हामिद ने कहा, '' हमारे रणनीतिक वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर कंपनी अपने पोर्टफोलियो में बहुत सारी दवाएं उपलब्ध करा रही है जिन्होंने इलाज तक पहुंच को बेहतर किया है। रेमेडिसिविर, फैविपिरावि‍र और टॉक्लिजुंब के मामले में यह बात सच भी साबित हो रही है।'' उन्होंने कहा कि इसी के साथ कंपनी अन्य कई जीवनरक्षक आवश्यक दवाओं के उत्पादन को तेज कर रही है जो इस महामारी से निपटने में सक्षम हैं। जीवनरक्षक आवश्यक दवाओं के उत्पादन को तेज कर रही है जो इस महामारी से निपटने में सक्षम हैं। हामिद ने कहा कि कोविड-19 के इलाज में उल्लेखनीय परिणाम दिखाने वाली लॉपिनावि‍र, रिटॉनावि‍र, हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्यून और अजिथ्रोमाइसिन के विनिर्माण को तेज करने के साथ-साथ कंपनी ने दमा इत्यादि की दवाओं का उत्पादन भी तेज किया है। उन्होंने कहा कि इस महामारी ने हर देश को आत्मनिर्भर बनने के प्रति भी सचेत किया है।

सिप्ला का आत्मनिर्भरता और पर्याप्ता का सिद्धांत और सस्ती दवाओं तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता आज के समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो गयी है।

हाजिर मांग और वैश्विक संकेतों से चांदी वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और मजबूत हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को चांदी की कीमत 1,356 रुपये की तेजी के साथ 71,153 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1,356 रुपये अथवा 1.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 71,153 रुपये प्रति किग्रा हो गयी जिसमें 14,057 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि चांदी वायदा कीमतों में तेजी आने का मुख्य कारण सकारात्मक घरेलू बाजार के रुख के कारण कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली थी। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 26.46 डॉलर प्रति औंस हो गई।

एयरटेल ने क्लाउड समाधान मुहैया कराने के लिए एडब्ल्यूएस के साथ रणनीतिक समझौता किया

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने बुधवार को भारत में व्यवसायों को क्लाउड समाधान की पेशकश करने के लिए अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ बहु-वर्षीय रणनीतिक समझौता करने की घोषणा की। एयरटेल अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ 2,500 से अधिक बड़ी कंपनियों और 10 लाख से अधिक उभरते व्यवसायों को सेवाएं मुहैया कराता है। इन सेवाओं में मल्टी-क्लाउड और समाधान कारोबार एयरटेल क्लाउड शामिल है। भारती एयरटेल के क्लाउड और सुरक्षा कारोबार की प्रमुख हरमीन मेहता ने एक आभासी सम्मेलन में कहा, ''एयरटेल और एडब्ल्यूएस के बीच रणनीतिक गठजोड़ के जरिए भारत में व्यवसायों के डिजिटल परिवर्तन के लिए क्लाउड समाधानों की पेशकश की जा सकेगी।'' मेहता ने कहा कि इस समझौते के तहत अग्रणी क्लाउट प्लेटफार्म अमेजन वेब सर्विसेज की क्षमताओं के साथ एयरटेल की पहुंच और नेटवर्क, डेटा सेंटर और सुरक्षा में विशेषज्ञता का लाभ एक साथ मिल सकेगा।

सरकारी खरीद के नियमों के अनुपालन में निविदाओं की जांच के लिए एजेंसी नियुक्त करेगा विभाग

नई दिल्ली।

औद्योगिक और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) सार्वजनिक खरीद नियम के अनुपालन के लिए सरकारी खरीद इकाइयों की निविदाओं की जांच को लेकर परामर्श एजेंसी की सेवा की सेवा लेगा। सार्वजनिक खरीद नियमन का मकसद भारत में विनिर्मित उत्पादों को बढ़ावा देना है। डीपीआईआईटी ने नोटिस जारी कर इसमें रूचि रखने वाली एजेंसियों से अनुरोध प्रस्ताव आमंत्रित किया है। सरकार ने देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा आय एवं रोजगार सृजित करने के इरादे से 15 जून, 2017 को सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 जारी किया था। आदेश का मकसद उत्पादन को स्थानीय उपकरणों, सामानों के उपयोग से जोड़कर घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है। ताकि व्यापार के लिए केवल आयात अथवा एसेंबल करने पर निर्भर व्यापारियों के मुकाबले घरेलू विनिर्माता की भागीदारी को सार्वजनिक खरीद गतिविधियों में प्रोत्साहन मिले। यह केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, उनके संबद्ध कार्यालयों, केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त निकायों, सरकारी कंपनियों, उनके संयुक्त उद्यम और विशेष उद्देश्यीय इकाइयों द्वारा वस्तु एवं सेवाओं की खरीद पर लागू है। आदेश के तहत कुछ मामलों को छोड़कर सभी वस्तुओं, सेवाओं या अन्य कार्यों की खरीद में जिसका अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपए से कम है, केवल स्थानीय आपूर्तिकर्ता ही बोली के लिये पात्र होंगे। डीपीआईआईटी का मकसद आदेश के अनुपालन को लेकर केंद्र सरकार की खरीद एजेंसियों की निविदाओं की जांच के लिये एक साल के लिये एजेंसी की सेवा लेना है। डीपीआईआईटी

ने कहा, ''इसमें रूचि रखने वाले आवेदनकर्ताओं से अनुरोध प्रस्ताव पर अपना जवाब केंद्रीय खरीद पोर्टल (ईप्रोक्यूर डॉट गॉव डॉट इन) पर आठ सितंबर, 2020 को दोपहर 12 बजे तक जमा करने का आग्रह है। विभाग ने कहा, ''परामर्श एजेंसी का चयन कम लागत चयन प्रक्रिया (एलसीएस) के आधार पर होगा। इससे पहले, विभाग भेदभावपूर्ण गतिविधियों के कारण हजारों करोड़ रुपए की सरकार निविदाएं रद्द कर चुका है।

भेदभावपूर्ण और प्रतिबंधात्मक निविदा गतिविधियों से सरकारी खरीद में घरेलू कंपनियां शामिल नहीं हो पाती।

सेबी 14 अगस्त को रॉयल ट्विंकल, साइट्रस चेक इन्स की संपत्तियों की नीलामी करेगा

नयी दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी 14 अगस्त को रॉयल ट्विंकल स्टार क्लब और साइट्रस चेक इन्स की संपत्तियों की नीलामी करेगा। इसके लिये आरक्षित मूल्य 68 करोड़ रुपये रखा गया है। कंपनी द्वारा जालसाजी के तहत ''टाइम्सशेयर'' होलीडे योजना की आड़ में जुटाये गये हजारों करोड़ रुपये की वसूली की कार्रवाई के तहत यह कदम उठाया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नोटिस में कहा है कि वह 14 अगस्त को कंपनियों की संपत्तियों की नीलामी करेगा। इसके लिये 68 करोड़ रुपये का आरक्षित मूल्य रखा गया है। नोटिस में कहा गया है कि इन संपत्तियों की नीलामी 27 मार्च को होनी थी लेकिन कोविड- 19 की वजह से लॉकडाउन लागू होने के कारण नीलामी को आगे के लिये टालना पड़ा। कंपनियों की नीलाम की जाने वाली संपत्तियों में महाराष्ट्र में मुंबई और लोनावाला और केरल के अलपजा में भूमि, एक होटल और कार्यालय परिसर आदि शामिल हैं। सेबी ने इससे पहले फरवरी में इन कंपनियों की 59 संपत्तियों की नीलामी 213 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर की थी। वहीं नवंबर-जनवरी में रॉयल वहीं नवंबर- जनवरी में रॉयल ट्विंकल और साइट्रस चेक इन्स की 244 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर आठ संपत्तियों की नीलामी की गई।

केनरा बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 23 प्रतिशत बढ़कर 406 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली।

पांच अगस्त (भाषा) केनरा बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही में 23.5 प्रतिशत बढ़कर 406.24 करोड़ रुपये रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में बैंक को 329.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। केनरा बैंक में सिंडिकेट बैंक का विलय हुआ है। यह विलय एक अप्रैल 2020 से प्रभाव में आ गया। बैंक ने कहा कि तिमाही परिणाम तुलनीय नहीं है क्योंकि ये विलय से पूर्व अवधि में एकल आधार से संबद्ध है। केनरा बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आय 2020-21 की पहली तिमाही में बढ़कर 20,685.91 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 14,062.39 करोड़ रुपये थी। बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) 30 जून, 2020 को बढ़कर कुल कर्ज का 8.84 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 8.77 प्रतिशत था निरपेक्ष रूप से बैंक का सकल एनपीए या फंसा कर्ज 57,525.52 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 39,399.02 करोड़ रुपये था। प्रतिशत था निरपेक्ष रूप से बैंक का सकल एनपीए या फंसा कर्ज 57,525.52 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 39,399.02 करोड़ रुपये था। हालांकि बैंक का शुद्ध एनपीए चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर 3.95 प्रतिशत (24,355.23 करोड़ रुपये) रहा जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 5.35 प्रतिशत (23,149.62 करोड़ रुपये) था। बैंक का फंसे कर्ज और आकस्मिक व्यय के लिये प्रावधान 2020-21 की पहली तिमाही में बढ़कर 3,826.34 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,899.13 करोड़ रुपये था। एक साल पहले इसी तिमाही में 1,899.13 करोड़ रुपये था। हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया है कि आंकड़े केनरा बैंक के एकल आधार पर विलय से पूर्व अवधि के हैं। इसीलिए विलय के बाद यानी अप्रैल-जून, 2020 की तिमाही से तुलनीय नहीं हैं।

भारतीय बाजार में आई कोविड की दवा कोविहाल्ट

नई दिल्ली। दवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लुपिन ने बुधवार को कोविड- 19 के हल्के और कम गंभीर रोगियों के इलाज के लिये दवा फेविपिरावि‍र को 'कोविहाल्ट' ब्रांड नाम के साथ बाजार में उतारा है। इसकी एक गोली की कीमत 49 रुपये रखा गया है। लुपिन ने शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय जानकारी में कहा है कि फेविपिरावि‍र को आपात स्थिति में इस्तेमाल के लिये भारत के औषधि महा नियंत्रक से अनुमति मिल गई है। इसमें कहा गया है कि कोविहाल्ट में दवा की मात्रा को प्रशासन की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विकसित किया गया है। उसने कहा कि यह दवा 200 मिलीग्राम की गोली के रूप में 10 गोलियों की स्ट्रिप के रूप में उपलब्ध होगी। प्रत्येक गोली का दाम 49 रुपये रखा गया है। लुपिन के भारत क्षेत्रीय फार्म्यूलेशन (आईआरएफ) के अध्यक्ष राजीव सिब्बल ने कहा कि कंपनी को तपेटिक जैसे तेजी से फैलने वाले संक्रमण रोगों को व्यवस्थित करने के क्षेत्र में जो अनुभव है उसका लाभ वह उठा सकेगी। वह अपने मजबूत वितरण नेटवर्क और मैदानी क्षेत्र में काम करने वाले कार्यबल के बलबूते देशभर में कोविहाल्ट की पहुंच सुनिश्चित कर सकेगी। इससे पहले सन फामास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने भी फेविपिरावि‍र को ''फ्ल्यूगार्ड'' ब्रांड नाम के तहत बाजार में उतारा है।

सस्ते आयात से स्थानीय तेल तिलहन की कीमतों में हानि

नयी दिल्ली।

सस्ते आयातित तेलों के समक्ष ऊंची गत वाले देशी तेलों की मांग घटने तथा विदेशों में पाम एवं पामोलीन तेल का पर्याप्त स्टॉक जमा होने से स्थानीय तेल तिलहन बाजार में बुधवार को सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि सरसों की आगामी फसल आने में आठ महीने की देर है जबकि सोयाबीन, सूरजमुखी और मूंगफली की फसल अगले महीने से महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात की मंडियों में आने लगेगी। सस्ते आयात के आगे इन तेलों की कहां खपत होगी, यह चिंता किसानों और तेल उद्योग को सता रही है। उधर मलेशिया और इंडोनेशिया में पाम एवं पामोलीन का पहले से भारी स्टॉक जमा है तथा इसकी अगली फसल भी बम्पर होने की पूरी संभावना है। सूत्रों ने कहा कि देश भारत अपनी जरुरत के 30-32 प्रतिशत तिलहन का ही उत्पादन करता है पर मुसीबत यह है कि 10 प्रतिशत तिलहन ऊपज, सस्ते आयात के कारण बाजार में नहीं खप पा रही है। उनका कहना है कि ऐसे में तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता का मतलब समझ में नहीं आता। उन्होंने कहा कि किसानों के पास पिछले साल का मूंगफली और सोयाबीन का स्टॉक बचा है सरकार यदि तिलहन उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने की मंशा रखती है तो उसे आयातित आयातित तेलों पर आयात शुल्क को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि देशी तेलों की खपत बढ़ाने के लिए सरकार को देश में तेल मिलावट (ब्लेंडिंग) को बंद करना चाहिये। इसके कारण आयातित सस्ते तेल तो बाजार में खप जाते हैं और देशी तिलहन का स्टॉक किसानों के घरों में बेकार पड़ा रह जाता है और उन्हें औने पौने दाम पर निकालना पड़ता है। तेल-तिलहन के बुधवार को बंद भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 4,930- 5,000 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली दाना - 4,615-4,665 रुपये। वनस्पति घी- 965 - 1,070 रुपये प्रति टिन। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 12,040 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1,810- 1,860 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,200 रुपये प्रति क्विंटल।सरसों पक्की घानी- 1,595 - 1,735 रुपये प्रति टिन।

आर्थिक वृद्धि बढ़ाने के लिए लॉजिस्टिक्स लागत घटाने के कदम उठा रही है सरकार: मंत्री

नई दिल्ली।

केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि सरकार ने साजो सामान के परिवहन, रखरखाव (लॉजिस्टिक्स) की भारी लागत को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें अंतरदेशीय जलमार्गों को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने भारत की वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए निजी कंपनियों से साथ आने के लिए भी कहा। देश में लॉजिस्टिक्स विकसित देशों के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक मांडविया ने उद्योग संगठन पीएचडीसीसीआई द्वारा आयोजित एक आभासी कार्यक्रम के दौरान देश में लॉजिस्टिक्स की अधिक लागत पर चिंता जताई, जो विकसित देशों के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा भारत सरकार ने वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक्स की लागत में कमी के लिए बड़ी संख्या में कदम उठाए हैं। इनमें कम लागत के साथ माल परिवहन करने के लिए अंतरदेशीय जलमार्ग का नेटवर्क बनाना शामिल है। हमने 1,400 किलोमीटर के जलमार्ग को चालू किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत जलमार्गों के नेटवर्क का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, निर्यात को बढ़ावा देना और देश को आत्मनिर्भर बनाना है। मंत्री ने कहा कि निजी भागीदारों के लिए यह वक्त पीपीपी (सार्वजनिक निजी भागीदारी) परियोजनाओं में सरकार के साथ शामिल होने का है। उन्होंने निजी क्षेत्र की कंपनियों से बंदरगाहों के लिए स्वदेशी क्रेन बनाने जैसी पहल के लिए आगे आने का आग्रह किया, जिन्हें फिलहाल हर साल लगभग 10,000 करोड़ रुपये की लागत से आयात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिपिंग मंत्रालय ने लॉजिस्टिक्स लागत कम करने के लिए 'पीसीएसआईएक्स' प्लेटफॉर्म शुरू किया है। पोर्ट कम्युनिटी सिस्टम 'पीसीएसआईएक्स' एक क्लाउड-आधारित तकनीक है, जो अधिसूचना, कार्य-प्रवाह और निगरानी जैसी सेवाएं मुहैया कराती है।

ऐसा अनुमान है कि सिर्फ इस सुविधा के होने से ही व्यापार में लगने वाले समय में दो दिनों की कमी होती है। मंडाविया ने आगे कहा कि देश में मल्टीमॉडल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श जारी है।

गोदरेज प्रापर्टीज को पहली तिमाही में 20 करोड़ रुपये का घाटा, डिबेंचर से 1,000 करोड़ रुपये जुटाये

नयी दिल्ली।

रीयल्टी क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रापर्टीज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 20.23 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा है कि उसने इस दौरान डिबेंचर के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटाये हैं। कंपनी को एक साल पहले की इसी अवधि में उसका शुद्ध लाभ 90 करोड़ रुपये के करीब रही है। नियामकीय सूचना के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जून की अवधि में कंपनी का कुल कारोबार घटकर 195.66 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 713.84 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

पिछले पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 267.21 करोड़ रुपये और कुल आय 2,914.59 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा कि अप्रैल- जून 2020 तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग 25.10 लाख वर्ग फुट हो गई। यह बुकिंग 1,531 करोड़ रुपये की रही। जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 897 करोड़ रुपये की 13.50 लाख वर्गफुट की बुकिंग हुई थी। गोदरेज प्रापर्टीज, गोदरेज समूह की रीयल एस्टेट कारोबार करने वाली इकाई है। कंपनी ने कहा कि जुलाई में उसने बिना गारंटी वाले, विमोचनीय, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 1,000 करोड़ रुपये जुटाये। ये डिबेंचर 7.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ तीन वर्ष की अवधि के लिये जारी किये गये। रीयल एस्टेट उद्योग में यह सबसे कम दर पर जारी गैर- परिवर्तनीय डिबेंचर थे।

जिसमें सफलता हासिल हुई। गोदरेज प्रापर्टीज के कार्यकारी चेयरमैन पिरोजशा गोरदेज ने कहा, ''तिमाही के ज्यादातर हिस्से में लॉकडाउन लागू रहने के कारण निर्माण गतिविधियां काफी सीमित रही जिससे कोई राजस्व प्राप्ति नहीं हुई और परिचालन नकदी प्रवाह भी काफी कमजोर रहा।''

नरेंद्र तोमर ने एनसीसी का यूट्यूब चैनल लॉन्च किया, किसानों की आमदनी बढ़ाने में करेगा मदद

नई दिल्ली।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों और युवाओं को सहकारिता का लाभ उठाने को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के यूट्यूब चैनल, सहकार कोपट्यूब एनसीडीसी इंडिया की शुरुआत की। उन्होंने हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में 18 राज्यों के लिए सहकारी समितियों के गठन और पंजीकरण के बारे में वीडियो भी जारी किए। वीडियो नए चैनल पर प्रसारित किए जाएंगे। तोमर ने इसे जारी करने के बाद कहा सहकारिता हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस चैनल के माध्यम से हमारा प्रयास सहकारी आंदोलन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई सहकारी समितियों का गठन सहकारी आंदोलन के दायरे में नए जीवन और समर्पण लाने की एक शर्त है। उन्होंने एक बयान में कहा, 18 राज्यों को अपने दायरे में लेने वाली विभिन्न भाषाओं में मार्गदर्शन वीडियो 10,000 किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बढ़ावा देने और बनाने के लिए हमारी सरकार की प्रमुख पहल को मजबूत और गहरा करेगा। तोमर ने कहा कि सहकारी प्रारूप में एफपीओ के निर्माण में एनसीडीसी की प्रमुख भूमिका है, उन्होंने कहा कि समय के साथ यूट्यूब पर सहकार कॉपट्यूब एनसीडीसी इंडिया चैनल पर मार्गदर्शन वीडियो के संग्रह में आने वाले समय में और अधिक राज्यों को जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि एनसीडीसी ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक शीर्ष-स्तरीय वैधानिक संस्था के रूप में सहकारी समितियों को 1,54,000 करोड़ रुपये की संचयी वित्तीय सहायता के साथ जबरदस्त सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1963 में 2.36 करोड़ रुपये के संवितरण के साथ शुरुआत करने के बाद एनसीडीसी ने वर्ष 2019-20 के दौरान लगभग 28,000 करोड़ रुपये का वितरण किया है। सरकार के अनुसार, भारत में सहकारी समितियों ने एक लंबा सफर तय

किया है और किसानों की दशा सुधारने और आर्थिक विकास में अपनी सफलता साबित की है। मोटे तौर पर छोटे और सीमांत किसानों और ग्रामीण गरीबों के संघों के रूप में, सहकारी समितियों ने 8.50 लाख से अधिक संगठनों और 29 करोड़ सदस्यों का एक बड़ा नेटवर्क हासिल कर लिया है। सहकारी समितियों ने कृषि और संबद्ध क्षेत्र में जोखिम को कम करने में किसानों का समर्थन किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला टी-20 चैलेंज पर बोलीं हरमनप्रीत- मैं उत्साहित हूं, दुबई में पहली बार जाएंगे

मुंबई । भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर पहली बार संयुक्त अरब अमीरात में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हैं और लंबे ब्रेक के बाद नवंबर में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान होने वाले महिला टी-20 चैलेंजर में खेलने के लिए बेकरार हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पिछले हफ्ते महिलाओं के प्रदर्शनी मैचों की पुष्टि की थी। भारतीय टीम मार्च में टी-20 विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेली है। महिलाओं के टूर्नामेंट में तीन टीमें होंगी और इसमें चार मैचों के एक से 10 नवंबर तक खेले जाने की उम्मीद है। हरमनप्रीत ने बुधवार को बेबिनार के दौरान कहा- हां, निश्चित रूप से मैं महिला चैलेंज के लिए उत्साहित हूं क्योंकि यह दुबई में हमारा पहला दौरा होगा और हम वहां पहले नहीं खेले हैं। टी-20 कप्तान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मैदान की परिस्थितियों को लेकर परेशान नहीं है। इस टूर्नामेंट के साथ ही आस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग भी शुरू होगी तो यह देखना होगा कि कितनी स्टार खिलाड़ी यूएई में खेलती हैं। भारत के लिए 114 टी-20 और 99 वनडे खेल चुकी हरमनप्रीत ने कहा- मेरे दिमाग में सवाल थे कि विकेट कैसा होगा। हमें अपनी क्षमता के अनुरूप खेलना होगा क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करोगे तो आप अपना नैसर्गिक खेल नहीं दिखा पाओगे।

विश्व शतरंज चैम्पियन

विश्व चैम्पियन कार्लसन बने लिजेंड्स ऑफ चैस के विजेता

नॉर्वे ।

विश्व शतरंज चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन नें एक बार फिर विश्व शतरंज में अपनी बादशाहत साबित करते हुए अपने खेल का परचम लहरा दिया है और यह बात साबित कर दी है की इनके सामने कोई भी खिलाड़ी प्ले ऑफ मुकाबलों मे टिक नहीं पाता है चाहे बात ऑन द बोर्ड शतरंज की हो या ऑनलाइन शतरंज की । एक बार फिर लिजेंड्स ऑफ चैस टूर्नामेंट के फाइनल में मेगनस कार्लसन का कातिलाना अंदाज देखने को मिला और उन्होने रूस के इयान नेपोनियची को लगातार दो दिन फाइनल में हराते हुए खिताब अपने नाम कर लिया । कार्लसन नें पहले दिन 4-2 से पहला फाइनल जीता था और दूसरे दिन उन्होने 2.5-0.5 के बड़े अंतर से मात देते हुए नेपोनियची को कभी भी वापसी का मौका नहीं दिया और 45000 अमेरिकन डॉलर की पुरुष्कार राशि पर कब्जा कर लिया । पहले मैच में आक्रमण करने को कोशिश में काले मोहरो से खेलते हुए नेपो किंग्स इंडियन डिफेंस में कभी भी सही योजना नहीं बना सके और कार्लसन का आक्रमण इतना तेज हो गया की मात्र 27 चालों में उन्हे हार का सामना करना पड़ा और कार्लसन 2-0 से आगे हो गए । दूसरे मुक़ाबले में मेगनस कार्लसन नें एक बार फिर नजडोर्फ का सहारा लिया और एक बेहद ही उलझे हुए मुक़ाबले में उन्होने बेहतरीन बचाव और शानदार आक्रमण के दम पर 76 चाल चले मुक़ाबले में जीत हासिल की और 2-0 से आगे हो गए । तीसरे मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए तीसरे मुक़ाबले में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए कार्लसन नें नेपो के पिर्क डिफेंस खेलने के चुनाव को ओपेनिंग में ही असफल करते हुए खेल को आसान ड्रॉ की और मोड दिया और 2.5-0.5 से ना सिर्फ दूसरा फाइनल जीता बल्कि खिताब भी अपने नाम कर लिया ।

वेंकटेश ने राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए घरेलू मुख्य कोच के एआईएफएफ के विचार का समर्थन किया

नयी दिल्ली।

पूर्व भारतीय कप्तान वेंकटेश शानमुगम ने बुधवार को अगले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय टीम के लिए घरेलू मुख्य कोच की सेवाएं लेने के अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि शीर्ष घरेलू क्लबों के साथ काम कर रहे भारतीय इस पद के संभावित दावेदार हैं। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने हाल में कहा था कि महासंघ को उम्मीद है कि अगले पांच साल में राष्ट्रीय टीम को भारतीय कोच कोचिंग देगा। भारत की सीनियर राष्ट्रीय टीम के मौजूदा सहायक कोच शानमुगम ने एआईएफएफ टीवी के साथ 'लाइव चैट' के दौरान कहा, ''महासचिव से इस तरह की बातें सुनना काफी प्रेरणादायी और उत्साहवर्धक है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पांच साल काफी लंबा समय है। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और आईलीग में कई युवा कोच हैं जो अच्छा काम कर रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्हें मौका मिल सकता है।'' शानमुगम ने हालांकि कहा कि 'चुनौती' के लिए तैयार रहने के लिए घरेलू कोचों में हमेशा अपनी जानकारी में इजाफा करते रहना होगा। उन्होंने कहा, ''लेकिन यह आसान नहीं होगा और यह काफी बड़ी चुनौती है। अगर आपको कोच के रूप में सुधार करना है तो लगातार अपनी जानकारी में इजाफा करना होगा। इसका अंत यहीं नहीं होता। इस जानकारी को आप खिलाड़ियों को कैसे देते हो यह कोष को परिभाषित करता है।'' शानमुगम ने कहा, ''हमें ध्यान रखना होगा कि राष्ट्रीय टीम को कोचिंग देना क्लब को कोचिंग देने से बिलकुल अलग है। टीम को कम समय में तैयार करना बेहद महत्वपूर्ण है।'' शानमुगम ने साथ ही खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे सोशल मीडिया पर समय बिताने की जगह खेलने पर अधिक ध्यान दें। उन्होंने कहा, ''सीनियर खिलाड़ी काफी परिपक्व हैं और उन्हें पता है कि सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना कैसे करना है। लेकिन युवा इससे प्रभावित हो सकते हैं और उन्हें इससे दूर रहना चाहिए। इससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है।''

पीएसजी में आने के बाद से मैं अपने सबसे सर्वश्रेष्ठ दौर में हूं : नेमार

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मेन फॉरवर्ड नेमार ने यूईएफए चैंपियंस लीग की वापसी से पहले एक चेतावनी जारी की है। उन्होंने दावा किया कि वह वर्तमान में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। अपने 200 मिलियन पाउंड के सौदे के दौरान पीएसजी के साथ नेमार का कार्यकाल चोटों और विवादों में ही बना रहा है। नेमार ने पीएसजी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा- इन तीन वर्षों के दौरान मैंने बहुत ज्ञान प्राप्त किया है। मैं सुखद क्षणों और मुश्किलों से गुजरा हूं, खासकर जब चोटों ने मुझे खेलने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा- मेरे साथियों की मदद से, मैं उनसे पार पा सका और इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि वास्तव में क्या मायने रखता है, मैदान पर हमारा प्रदर्शन जो खिताब में तब्दील होता है। नेमार ने यह भी कहा कि उनका और क्लब का लक्ष्य चैंपियंस लीग के सूखे को समाप्त करना है। उन्होंने कहा- हमारे प्रशंसक, क्लब और सभी प्रशंसक हमारी टीम की लड़ाई को किसी भी खेल में देख सकते हैं। जब से मैं पेरिस पहुंचा, मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हूं। हमारी टीम एक परिवार की तरह है। हम चैंपियंस लीग का खिताब जीतना चाहते हैं। हम संघर्ष करेंगे क्योंकि हम इतने करीब कभी नहीं आए।

आईपीएल वनडे रैंकिंग में कोहली टॉप पर, रोहित दूसरे तो गेंदबाजी में बुमराह दूसरे स्थान पर

दुबई ।

भारतीय कप्तान विराट कोहली और उप कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजों की आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान बरकरार रखे जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार को जारी इस ताजा सूची में गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम हैं। कोहली ने 871 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाए रखा। रोहित (855) और पाकिस्तान के बाबर आजम (829) उनके बाद दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं बुमराह 719 अंक के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं जिसमें न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट पहले स्थान पर हैं। एंड्रयू बालबर्नी 42वें, स्टर्लिंग 26वें स्थान पर बल्लेबाजी सूची में आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम मैच में 113 रन की पारी खेलने के बाद चार पायदान के फायदे से 42वें स्थान पर जबकि उप कप्तान पॉल स्टर्लिंग अपनी 142 रन की पारी से 26वें स्थान पहुंच गए। कर्टिस कैम्फर ने पहली श्रृंखला में प्रभावित किया और वह दो बार बल्लेबाजी के लिए उतरे और दोनों बार अर्धशतक जमाने में सफल रहे जिससे वह बल्लेबाजों की सूची में 191वें स्थान से प्रवेश करने में सफल रहे। गेंदबाजी सूची में आयरलैंड के तेज गेंदबाज क्रेग यंग ने श्रृंखला में छह विकेट हासिल किए जिससे वह 40 पायदान के फायदे से अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 89वें स्थान पर पहुंच गए जबकि मार्क एडेर (छह पायदान के लाभ से 138वें

स्थान) और जोशुआ लिटिल (38 पायदान के फायदे से 146वें स्थान) भी सूची में ऊपर की ओर बढने में सफल रहे। इस श्रृंखला में इंग्लैंड ने 2-1 से जीत हासिल की थी। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने अंतिम वनडे में शतक जड़ा था, उन्हें एक पायदान का फायदा मिला और वह 22वीं रैंकिंग पर हैं। वहीं जॉनी बेयरस्टो एक पायदान के फायदे से 13वें स्थान पर पहुंच गए। सैम बिलिंग्स 132 रन जुटाने के बाद रैंकिंग में 146वें स्थान से प्रवेश करने में सफल रहे। इंग्लैंड के गेंदबाजों में लेग स्पिनर आदिल राशिद 29वें से 25वें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड को श्रृंखला में मिली जीत से आईसीसी पुरूष विश्व कप सुपर लीग में 20 अंक मिले जिसमें 13 टीमें भारत में होने वाले अगले 2023 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाइंग स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी। आयरलैंड के 10 अंक हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोचिंग में जाने वाले खिलाड़ियों के लिए कोचिंग एजुकेशन नयी दिशा : विक्रम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व खिलाड़ी विक्रम कांत ने कहा कि कोचिंग में अपना करियर बनाने वाले खिलाडियों के लिए हॉकी इंडिया का कोचिंग एजुकेशन कार्यक्रम नयी दिशा है। विक्रम ने हॉकी इंडिया कोचिंग कार्यक्रम के मूल स्तर, लेवल 1 और लेवल 2 को पूरा किया है। उन्होंने एफआईएच लेवल 1 और 2 का सर्टिफिकेशन भी पूरा किया है। विक्रम ने कहा- कोचिंग हमेशा मेरे दिमाग में थी। मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म होने बाद भी मैं युवा खिलाडियों के साथ समय बिताना पसंद करता था। लेकिन जब हॉकी इंडिया ने यह कार्यक्रम की शुरुआत की तो मुझे लगा कि मुझे इसे करना चाहिए। हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन से मुझे कोचिंग में जाने और सही प्रक्रिया करने तथा कोचिंग समझने के लिए नई दिशा मिली। यह मेरे लिए नया है और मैंने इसका आनंद लिया। पूर्व खिलाड़ी ने कहा- भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पूर्व ट्रेनी के तौर पर मुझे जब भी युवा खिलाडियों का मागदर्शन करने का मौका मिला, मैंने किया। मैंने मेंटर के रुप में भी अपने कार्य का आनंद लिया और युवा खिलाडियों को सही दिशा दिखाई तथा अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से सीख लेकर सही तकनीक बताई। इसका उद्देश्य एक ही था कि यह खिलाड़ी वो गलती नहीं करें जो हमने की थी।

कोहली को आईपीएल की पुरानी फोटो शेयर करना पड़ा भारी, लोगों ने कहा- भाई नस-वस मत काट लेना

स्पोर्ट्स डेस्क । कोरोना वायरस महामारी के बीच इस बार आईपीएल भारत नहीं बल्कि यूएई में खेला जाएगा। आईपीएल 19 सितम्बर से शुरू होने वाला है और ऐसे में सभी लोग एक्साइटेड हैं। इस पर भारतीय टीम और रॉयल चैलेंजर बैंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने एक पूरानी फोटो शेयर कर दी। इस पर उन्हें ट्रोल होना पड़ गया। लोगों ने कोहली को ट्रोल करते हुए कहा, भाई नस-वस मत काट लेना। कोहली ने अपने ट्विटर अकाउंट पर दो फोटोज शेर की जिसमें एक में वह और एबी डिविलियर्स और दूसरी फोटो में कुछ और खिलाड़ी नजर आए। इस फोटो को अपलोड करते हुए कोहली ने कैप्शन में लिखा, ऑवरग्लास विद फ्लोइंग सैंड वाली और दूसरी क्लॉक फेस नाइन ओ'क्लॉक वाली इमोजी शेयर की। उनका कहने का मकसद साफ है कि अब उनसे आईपीएल 13 में खेलने का इंतजार नहीं हो रहा। इस फोटो के बाद अब कोहली को ट्रोल होना पड़ा गया। एक यूजर ने आरसीबी के कोच का हवाला देते हुए कहा, विराट या तो इस साल आईपीएल ट्रॉफी जीतो या जेल जाओ। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, आरसीबी सिर्फ नाम नहीं है, यह एक लूज मोशन है। एक व्यक्ति ने लिखा, इस बार जीत जाना मेरी 100 रुपए की शर्त लगी है। एक अन्य यूजर ने लिखा, भाई नस-वस मत काट लेना। गौर हो कि भारत में कोरोना वायरस मामलों में वृद्धि के बाद ये फैसला लिया गया है आईपीएल यूएई में खेला जाएगा। इससे पहले साल 2014 में भी आईपीएल के मैच यूएई में खेले गए थे।

तेज गेंदबाजों पर बोले अख्तर, कहा- खिलाड़ी अब स्मार्ट हो चुके हैं, पैसों पर देते हैं ज्यादा ध्यान

स्पोर्ट्स डेस्क ।

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का मानना है कि वर्तमान समय के पेसर तेजी से गेंदबाजी नहीं करते हैं क्योंकि खेल के नियम और उस पर कठोरता उस स्थान को प्रदान नहीं करती है। अख्तर पहले गेंदबाज थे जिन्होंने 100 मील प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फैंकी थी। अख्तर 2011 में रिटायर हुए थे और उन्होंने अपने करियर के दौरान 444 इंटरनेशनल विकेट्स झटके। तेज गेंबाजों के बारे में बोलते हुए अख्तर ने कहा, करीब 10 साल पहले गेंदबाज 155 किलोमीटर की रफ्तार से गेंद फैंकते थे और अब 135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के गेंदबाजी कर रहे हैं। हमारे पास कुछ ही तेज गेंदबाज बचे हैं। बिते समय की बात करें तो अकेले दक्षिण अफ्रीका के पास ही 6 गेंदबाज थे। अख्तर ने एक शो के दौरान कहा, दो नई गेंदें, क्रि केट कानून जिसमें बहुत अधिक प्रतिबंध, बहुत अधिक क्रिकेट, बहुत अधिक ट्वेंटी 20 लीग, बहुत अधिक पैसा, बहुत अधिक टीवी अधिकार आपको अब तेजी से गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं देता है। अख्तर ने कहा, खिलाड़ी अब स्मार्ट हो चुके हैं और पहले से ज्यादा पैसों पर ध्यान देते हैं। वह अपना करियर और टांगे बचा कर रखते हैं ताकि 10 सालों तक खेल सकें। वहीं मैं केवल विशिष्ट श्रृंखला के लिए लडूंगा, मैंने जिस दिन के लिए संघर्ष किया। पहले कानून ज्यादा आरामदायक था। जब उन्होंने हमें दो बाउंसर से अधिक गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया, तो मैं निराश हो गया। मैं कहता था, आप बल्लेबाज को कैसे फंसा सकते हैं? बॉडीलाइन गेंदबाजी कहां है? रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा, कृपया मुझे उस खिलाड़ी को मारने की अनुमति दें और उसे मुझे वापस मारने दें। यह वही है जो आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखना चाहते हैं। 2003 विश्व कप के दौरान आधिकारिक तौर पर 100 मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले पहले गेंदबाज बनकर इतिहास रचने वाले रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा, मैं इस लंगड़े, मुख्य और उचित क्रिकेट को देखकर बीमार हो गया हूं। उन्होंने कहा, 100 मील प्रति घंटा के बैरियर को तोड़ना मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं थी। यह सिर्फ मीडिया प्रचार था, एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नौटंकी थी। शोएब ने कहा, तेज गेंदबाजी के लिए मैंने हड्डियों को तोड़ा, मुझे इसके लिए पैसे नहीं मिले थे। मैंने अभी सोचा, स्वर्ग की खातिर, मुझे इसे खत्म करने की ज़रूरत है और बस इसे करना है। तो मैंने पूरी तरह से योजना बनाई, मैंने इसके लिए प्रशिक्षण शुरू किया। अपनी ट्रेनिंग के बारे में बात करते हुए रावलपिंडी एक्सप्रेस ने कहा, मैं पीठ पर 170 किलो वजह उठाकर दौड़ता था और प्रत्येक 100 मीटर स्प्रिंट के बाद 20 किलो वजन कम कर देता था। मैं भी 26 गज की दूरी से गेंदबाजी करता था, जो कि क्रिकेट की गेंद से बहुत अधिक भारी थी। जब मैं 22 गज की दूरी पर वापस आता, तो मैं लगभग 6 किमी / घंटा (3.7 मील प्रति घंटा) की तेजी से आता था।

उन्होंने कहा, मैंने निक नाइट के खिलाफ गेंदबाजी करने की योजना बनाई। मैंने उनसे कहा, मैं आपको चोट पहुंचाने जा रहा हूं, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप रास्ते से बाहर रहें। मैंने उससे कहा कि मैं उस ओवर में 100 मील प्रति घंटा की रफ्तार से सटीक गेंदबाजी करूंगा।

आयरलैंड से हारने के बाद इंग्लैंड के कप्तान मोर्गन ने दिया बड़ा बयान, कही बात

साउथमप्टन । इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने तीसरे वनडे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ मिली सात विकेट की हार के बाद कहा है कि इस मुकाबले में आयरलैंड ने उनकी टीम को हर लिहाज से पछाड़ दिया। इंग्लैंड ने मोर्गन के 106 रन की शतकीय पारी के दम पर 328 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था लेकिन आयरलैंड ने कप्तान एंड्रयू बालबर्नी और पॉल स्टर्लिंग की शतकीय पारियों की बदौलत मेजबान टीम को सात विकेट से हराया। इंग्लैंड को भले ही इस मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले दो मुकाबलों में जीत से उसने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मोर्गन ने कहा, 'मेरे ख्याल से आयरलैंड ने इस मुकाबले में हमें पीछे छोड़ दिया। इस मैच में हमारा दिन नहीं था। शुरुआत में तीन विकेट गिरने के बाद हमारी पारी संभली। हमारे पास टीम में कई विकेट लेने वाले गेंदबाज थे लेकिन स्टर्लिंग ने अच्छा प्रदर्शन किया जबकि हमने मौके गंवाए। उन्होंने कहा, 'हम उन खिलाड़ियों के बारे में ज्यादा से ज्यादा जान रहे हैं जो टीम में आ रहे हैं और उन्हें मौके मिल रहे हैं। बिलिंग्स ने नाबाद 67 और नाबाद 46 रन की पारियां खेली, बेंटन ने भी इस मैच में अर्धशतक जड़ा। कप्तान ने कहा, 'विली ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उन्होंने खुद को साबित किया। थोड़ी से दिक्कत आयी लेकिन मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले ठीक हो जाऊंगा। मोईन अली ने अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और हरसंभव प्रयास किया जो वह कर सकते थे लेकिन विकेट लेने में नाकामयाब रहे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापस खेलना सुखद है। मैं पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले ठीक हो जाऊंगा। मोईन अली ने अपने अनुभव अली ने अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और हरसंभव प्रयास किया जो वह कर सकते थे लेकिन विकेट लेने में नाकामयाब रहे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापस खेलना सुखद है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ने धोनी को कहा जादूगर, बताया क्या है उनकी सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर तथा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एल्बी मोर्कल ने टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सराहना करते हुए कहा है कि वह एक जादूगर हैं। मोर्कल आईपीएल में कई टीमों के साथ खेले हैं लेकिन उन्होंने चेन्नई के साथ अपना ज्यादातर समय बिताया है। उनके अनुसार चेन्नई की टीम उनके दिल का काफी करीब है। मोर्कल ने क्रेगबज के डिजिटल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्ज ओ क्लॉक पर चैट शो चैम्पियंज़ में कहा, 'मैं उस टीम में हूं जिसका अब भी समर्थन करता हूं और मुझे इस टीम के लिए खेलते हुए काफी आनंद आया है। मेरे लिए चेन्नई की तरफ से खेलना काफी विशेष रहा है। वह 6 वर्षों में चेन्नई के लिए खेलते हुए अक्सर अंतिम एकादश में शामिल रहे थे और इसके कारण उनका कप्तान धोनी से विशेष लगाव हुआ है। मोर्कल ने कहा, 'धोनी जानते हैं कि उन्हें कैसे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हासिल करना है। वह हर खिलाड़ी के साथ एक समान व्यवहार नहीं करते। वह अपने व्यक्तित्व की तरह हर एक खिलाड़ी से अलग तरह से बात करते हैं। मेरे ख्याल से यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। मोर्कल ने धोनी की प्रशंसा करते हुए उन्हें उदाहरण पेश करने वाला कप्तान बताया। यह पूछे जाने पर कि वह एक शब्द में पूर्व भारतीय कप्तान का किस प्रकार वर्णन करेंगे, इस पर उन्होंने धोनी को जादूगर करार दिया।

आईपीएल की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि 2012 में विराट कोहली की बेंगलुरु टीम के खिलाफ चेन्नई की तरफ से खेलते हुए उनके द्वारा बनाए गए छह गेंदों में 28 रन उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी है।

इस पारी ने उन्हें आईपीएल का विस्फोटक खिलाड़ी बनाया था। टीम में शामिल सीनियर खिलाड़ियों के साथ खेलने को लेकर मोर्कल ने कहा, 'टीम में इन खिलाड़ियों के शामिल रहने से आप थोड़े नर्वस रहते हैं। एक युवा खिलाड़ी के लिए यह पहली बड़ी चुनौती होती है। दूसरी चुनौती यह है कि आप खेल रहे हैं। मैंने इसका अनुभव किया है।

जिम खुलने पर खुश हुई भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, फोटो शेयर कर लिखी ये बात

स्पोर्ट्स डेस्क । कोरोना वायरस महामारी के कारण लम्बे समय से बंद जिम्स को आज कुछ शर्तों के साथ फिर से खोल दिया गया है। इस पर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने खुशी व्यक्त की है और इसे लेकर ट्विटर पर एक पोस्ट भी शेयर की है। सिंधु ने माइक्रो ब्लागिंग वेबसाइट ट्विटर पर जिम्स के फिर से खुलने की खुशी में एक फोटो शेयर की जिसमें वह जिम में कसरत करती नजर आई। इस फोटो के साथ सिंधू ने कैप्शन में लिखा, लंबे समय के बाद पूर्ण रूप से जिम को फिर से शुरू करने के लिए खुश हूं। गौर हो कि कोरोना वायरस ने खेले पर भी गहरा असर डाला है और बहुत से स्पोर्ट्स इवेंट्स रद्द हो चुके हैं। इसके चलते बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने 29 जुलाई को ताइपे ओपन 2020 और कोरिया ओपन को स्थगित करने की घोषणा की थी। इसी के साथ ही 2 अन्य टूर्नामेंट्स चाइना ओपन और जापान ओपन को भी स्थगित कर सितम्बर के मध्य में करवाने का फैसला लिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सबसे पहले राजमाता ने रखा था राम मंदिर निर्माण का प्रस्ताव, उसके बाद आडवाणी ने निकाली थी रथयात्रा

भोपाल।

देर से ही सही लेकिन अयोध्या में आज इतिहास रचा गया है। वर्षों तक अदालत में मामला चलने के बाद आज अयोध्या में राम मंदिर की नींव पड़ ही गई। राम मंदिर निर्माण के लिए देश ने लंबा इंतजार किया है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि भगवान राम मंदिर के लिए बीजेपी में सबसे पहले प्रस्ताव कौन लेकर आया था। आपको बता दें कि राम मंदिर के लिए बीजेपी की 1990 की यात्रा को मील का पत्थर माना जाता है, लेकिन ये कम ही लोग जानते होंगे की राम मंदिर के लिए 1988 में प्रस्ताव लाया गया था। दरअसल अयोध्या में राम मंदिर के लिए लंब समय तक कई आंदोलन चलाए गए। लेकिन पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा सोमनाथ मंदिर से निकाली गई रथयात्रा ने राम मंदिर निर्माण के लिए लोगों की भीड़ जुटा ली। राम मंदिर निर्माण के लिए सबसे पहला प्रस्ताव 1988 में राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने भाजपा कार्यकारिणी में रखा था। ये वही प्रस्ताव था जिसके बाद बीजपी ने राम मंदिर के मुद्दे को अपने एजेंडे में शामिल कर लिया। उस समय विजयाराजे सिंधिया बीजेपी की संस्थापक सदस्य थीं, जब उन्होंने राम मंदिर निर्माण का प्रस्ताव लाया तो इसी के बाद ही रथ यात्रा का आयोजन किया गया। तब बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी ने 1990 में सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथ यात्रा निकाल दी, इस दौरान राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने उनको पूरा सहयोग दिया। रथयात्रा के बाद सन 1992 में राजमाता ने रामकथा कुंज के मंच से कारसेवकों को संबोधित किया। आपको बता दें कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया को भी बाबरी विध्वंस मामले में आरोपी बनाया गया था। राम मंदिर निर्माण आंदोलन में राजमाता विजयाराजे के अलावा मध्यप्रदेश की उमा भारती, जयभान सिंह पवैया ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1990 की रथयात्रा के बाद बीजेपी ने राम मंदिर के मुद्दे को जोरशोर से उठाना शुरू कर दिया, और आने वाले सभी चुनावों के घोषणा पत्र में राम मंदिर के मुद्दे को जगह भी दी। यही नहीं 2014 और फिर 2019 के लोकसभा चुनावों में भी बीजेपी ने अपने मेनीफेस्टो में में राम मंदिर निर्माण को जगह दी। 2019 में आखिर राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो ही गया। 1990 से लेकर अब तक सभी ने राम मंदिर निर्माण के लिए सिर्फ तारीखें ही देखी थीं, लेकिन अब 2020 में राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो ही गया, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर का भूमि पूजन कर दिया गया है।

राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम हम सब के मन में गढ़े हुए हैं, कोई काम करना हो, तो हम सभी प्रेरणा के लिए भगवान राम की तरफ ही देखते हैं। आप भगवान राम की शक्ति देखिए इमारतें नष्ट कर दी गईं, अस्तित्व मिटाने का पुरिजोर प्रयास किया गया, लेकिन राम आज भी हमारे मन में बसे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आर्टिकल 370 की पहली वर्षगांठ- अनंतनाग में बीजेपी महिला नेता ने तिरंगा फहराया

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग शहर के लाल चौक में भारतीय जनता पार्टी की एक महिला नेता ने बुधवार को प्रदेश में अनुच्छेद 370 के समाप्त किए जाने और राज्य को दो केन्द्रशासित प्रदेश में विभाजित करने की वर्षगांठ पर तिरंगा फहराया। प्रदेश में भाजपा की एक मात्र महिला नेता रूमीसा रफीक अनंतनाग शहर के लाल चौक पर उस समय राष्ट्रीय झंडा फहराते हुए दिखाई दी, जब पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ था और सड़कों पर कोई नहीं दिखाई दे रहा था। बाद में उन्होंने फव्वारे की दीवार पर राष्ट्रीय झंडे को फहराया। जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत दिए गए विशेष राज्य का दर्जा समाप्त होने का आज यानी 5 अगस्त को एक वर्ष पूरा हो गया। इस केन्द्रशासित प्रदेश में भाजपा ने जश्न मनाने का आह्वान किया है।

खुद को हनुमान का अवतार बताने वाला ढोंगी बाबा गिरफ्तार, तस्करी के साथ अश्लील हरकतों का आरोप

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले मे ऊटपटांग तांत्रिक क्रिया कर लोगों को बरगलाने वाला नांदिया-बिलहरा गांव का बहरूपिया बाबा व कथित साकेत धाम का संचालक धर्मेंद्र दास असलियत में गांजा बेचता था द्य पुलिस को लंबे समय से इसकी शिकायत मिल रही थी मंगलवार को सुआतला पुलिस ने इसके ठिकाने पर दबिश देकर 2 किलो गांजा बरामद किया और आरोपित बाबा को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद बाबा को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह ढोंगी लंबे समय से तांत्रिक क्रिया की आड़ में गांजा बेचने का काम कर रहा था। लंबे समय से इसकी शिकायतें मिल रही थी। मंगलवार को मुखबिर से जानकारी प्राप्त हुई कि बहरूपिया बाबा साकेत धाम में बड़ी मात्रा में गांजा बेचने के लिए आया है। इसके बाद सुअतला पुलिस ने दोपहर मे दबिश देकर धर्मेंद्र दास को गांजा समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब बाबा के सबसे करीबी चेले-चपाटीयों की तलाश में है इनकी धरपकड़ के बाद संभव है कि नया खुलासा हो सके धर्मेंद्र दास खुद को हनुमान का अवतार कहता था। हर मंगलवार शनिवार को यह अपना दरबार सजा कर नौटंकी से लोगों को बरगलाता था। सूत्रों के अनुसार यह बाबा पत्नी को वशीकरण करने के मामले में ज्यादा दिलचस्पी लेता था। फरियादी पति को ताबीज और खास तरह का प्रसाद देकर उसे भ्रमित करता था। दर्जनों ऐसे मामले हैं जिसमें इसने कई परिवारों से भ्रम के हालात पैदा किये है। घर परिवार की कलेश से परेशान व्यक्ति पांच मंगलवार-शनिवार को लगातार इसके दरबार में दस्तक देते थे। उनकी जानकारी इसके चेले-चपाटी धर्मेंद्र दास को देते रहते थे। इसके बाद खास तरह का प्रसाद उन भक्तों को दिया जाता था जो सोचने समझने की शक्ति खत्म कर देता था। इस ढोंगी बाबा धर्मेंद्र दास के मामले में नया खुलासा हुआ जिसमें कहा गया है कि ये ढोंगी बाबा अपने चेले-चपाटीयों की मदद से पूजा-पाठ के नाम पर भोली-भाली महिलाओं के साथ अश्लील हरकत कर उनकी अश्लील वीडियो बनाता था। हालांकि इस मामले में अभी पुलिस जांच की बात कर रही है।

राम भक्ति में रंगे सिंधिया, बोले-हर भारतवासी दीप जलाकर इस ऐतिहासिक पल को अमर बनाएं

भोपाल। देश भर के राम भक्तों का 500 साल पुराना सपना साकार होने जा रहा है। शंखनाद और घंटे-घडियाल की ध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पौराणिक नगरी अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भव्य राम मंदिर का भूमि पूजन कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक पल के लिए बीजेपी नेता व राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हर भारतवासी को घर घर दीप प्रज्जवलित करने का आग्रह किया और कहा कि इस पल को सदा सदा के लिए अमर बनाएं। सिंधिया ने बुधवार को ट्वीट करते हुए लिखा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण का होने वाला शिलान्यास भूमिपूजन हर भारतवासी के लिये अद्भुत आनंद व गौरव का क्षण है। आईये सब मिलकर अपने-अपने घरों पर दीप प्रज्ज्वलित कर इस ऐतिहासिक क्षण को सदैव के लिए अमर बनाएं! !! जय श्री राम !!।

अयोध्या भूमि पूजन की खुशी में देवेंद्र फडणवीस ने गाया भजन

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन एवं शिलान्यास होने की खुशी में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य में होने वाले एक कार्यक्रम मे भाग लिया और वहां भजन गाकर राम मंदिर के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। इस मौके पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बाला साहब ठाकरे का सपना पूरा करने के लिए नरेंद्र मोदी को अयोध्या जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि जो करोड़ों लोगों के आस्था से जुड़ा मामला है उसके लिए शिवसेना कहती है कि भूमि पूजन नहीं करो? फडणवीस ने कहा कि मैं आज नेता नहीं बल्कि कारसेवक के तौर पर हूं और हमें किसी की चिंता नहीं है कि लोग हमारे बारे में क्या सोचेंगे। आपको बतां दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में आज राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करते हुए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। आज मंदिर निर्माण की नींव रखे जाने के साथ ही राम मंदिर के लिए चलाया गया भाजपा का आंदोलन फलीभूत हो गया जिसने भगवा दल को सत्ता के शिखर तक पहुंचा दिया। भूमि पूजन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद थे। भागवत भी मौजूद थे। पुजारियों ने मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन की शुरुआत की और फिर मोदी द्वारा मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखे जाने के साथ ही भूमि पूजन संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दौरान नौ शिलाओं की पूजा की गई और मोदी ने मंदिर की नींव की मिट्टी से अपने माथे पर तिलक लगाया।

हॉट स्पॉट में कैद लोगों की बढ़ रही छटपटाहट, घरों में राशन-बिजली नहीं और गली के बाहर लगी कांटेदार तार

साम्बा ।

लगभग 21 दिन पूर्व गली में एक युवक कोरोना संक्रमित पाया गया था, जिसके बाद से ही विजयपुर की वार्ड-10 की इस गली के 30 से अधिक लोग घरों में कैद हो कर रह गए हैं। संक्रमित पाया गया युवक 31 जुलाई को स्वस्थ होकर घर वापस आ चुका है, पॉजिटिव पाए गए उसके सभी परिजन उससे भी पहले रिकवर होकर घर आ चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद गली के लगभग 3 दर्जन लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। प्रशासन का कहना है कि 28 दिन की कवारंटीन अवधि पूरी होने पर ही इन्हें बाहर आने दिया जाएगा लेकिन घरों में कैद बच्चों-महिलाओं आदि के सब्र का बांध टूटता जा रहा है। हॉट स्पॉट में कैद लोगों में छोटे बच्चे भी शामिल हैं। इन लोगों का कहना है कि इस भीषण गर्मी में बिजली के घंटों लंबे कट लग रहे हैं, जिससे छोटे-बड़े सब परेशान हैं। बच्चों को समझाना और भी मुश्किल हो रहा है क्योंकि बाहर खेलने नहीं जा पा रहे हैं। गर्मी में बिजली बंद होने पर छटपटाहट में यह लोग बाहर आते हैं लेकिन तार देख कर वापस लौट जाते हैं। गली के लोग स्थानीय पार्षद से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक गुहार लगा चुके हैं कि सभी संक्रमितों के रिकवर होने के बाद तो उन्हें राहत दी जाए। वहीं गली के एक मकान में किराए पर रह रहे रोहित का कहना है कि घर में जरूरी सामान तक नहीं है। अपनी माँ के साथ एक किराए के कमरे में रह रहे इस युवक के अनुसा लॉकडाउन के चलते वह पहले ही 3 माह से फैक्टरी में काम पर नहीं जा पाया, दूसरे कमरे का भी 3 माह का किराया देना है लेकिन हालत यह है कि एक ही कमरे में सोने व खाना पकाने वाला यह दो सदस्यों का परिवार दाने-दाने का मोहताज हो रहा है। इन लोगों का कहना है कि अधिकारी सुन नहीं रहे हैं, ऐसे में घरों में कैद रहना इनकी मजबूरी बन गई है।

धनबाद की सरस्वती देवी ने 3 दशक से रखा है मौन व्रत, कहा- राम मंदिर निर्माण तक रखूंगी जारी

धनबाद। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन किया। इस बात की खबर सुनते ही धनबाद जिला की रहने वाली सरस्वती देवी का चेहरा खिल उठा है, इस खुशी में उनके तप भी शामिल हैं। दरअसल, धनबाद जिले की सरस्वती देवी ने तीन दशक पूर्व प्रण लिया था कि जब तक अयोध्या में राम मंदिर निर्माण नहीं हो जाता तब तक वह मौन व्रत धारण करेंगी। इस दौरान वह अपने व्रत को लेकर प्रतिबद्ध रहीं जिसके चलते उनके परिवार के सदस्य उनकी आवाज सुनने के लिए लालायित रहे। 5 अगस्त को मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन होते ही सरस्वती देवी ने खुशी का इजहार किया। सरस्वती देवी के पुत्र ने बताया कि मौन व्रत के दौरान उनकी माता ने चारों धाम की यात्रा की। साथ ही उन्होंने अयोध्या, काशी, मथुरा, तिरुपति बालाजी, सोमनाथ मंदिर, बाबा बैजनाथ धाम, आदि का भी भ्रमण किया। पुत्र ने आगे बताया कि राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन की खबर सुन कर जहां घर के सभी लोग उत्सव मनाने की तैयारी में हैं वहीं सरस्वती देवी ने भी इशारो में अपनी खुशी का इजहार कर रहीं हैं। सरस्वती देवी के पुत्र ने यह भी बताया कि राम मंदिर के भूमि पूजन की खबर सुनते ही मां खुशी से झूमने लगीं।

लंकापति रावण की जन्मस्थली में भी गूंजा 'जय श्री राम, इस गांव में कभी नहीं मनाई गई रामलीला

नेशनल डेस्क। हमेशा से अपनी धरती के बेटे लंकापति रावण की पूजा करने वाले बिसरख गांव के लोगों ने अयोध्या में 'श्री रामजन्म भूमि मंदिर निर्माण के लिए न सिर्फ अपने यहां की मिट्टी भेजी है बल्कि पूरे देश के साथ मिलकर बुधवार को भगवान श्रीराम के नाम का जप कर रहे हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में स्थित बिसरख गांव के लोगों का मानना है कि ऋषि विश्वश्रवा और राक्षस कन्या कैकसी के पुत्र रावण का जन्म उनके गांव में हुआ था। रावण को बेटा मानते हुए गांव के लोग यहां कभी रामलीला का मंचन नहीं करते, यहां दशहरे में कभी रावण दहन नहीं हुआ। लेकिन इस बार गांव में रावण की पूजा की पुरानी परंपरा के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण की खुशियां भी बनाई जा रही हैं। हिंदू रक्षा सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोकानंद महाराज ने बताया कि रावण के मंदिर से मिट्टी से भरा कलश भगवान राम की नगरी अयोध्या पहुंच गया है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को पूरे गांव में लेकर जबरदस्त उत्साह है। सभी के मन में आज राम बसे हैं। यहां तक कि गांव के लोगों ने आज अपने-अपने घरों में दीप जलाकर दीवाली मनाने का निर्णय किया है।

कार सेवकों की कुर्बानी को भुलाने वाले 'राम द्रोही हैं: शिवसेना

मुंबई।

शिवसेना ने बुधवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन के समय जो लोग 'कार सेवकों की कुर्बानी को भूल गए, वे 'राम द्रोही हैं। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना में कहा गया है कि यह 'भूमि पूज पूरे देश और हिंदुओं का कार्यक्रम है लेकिन यह कैसा हठी फैसला है कि किसी को इसका श्रेय नहीं लेना चाहिए? 'सामना में दावा किया गया है कि यह कार्यक्रम ''व्यक्ति केंद्रित और राजनीतिक पार्टी केंद्रित है। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा, ''जहां राम मंदिर का निर्माण होगा, वहां की मिट्टी में 'कार सेवकों की कुर्बानी की गंध है। जो यह बात भूल गए हैं, वे राम द्रोही हैं। अयोध्या में दिसंबर, 1992 में मस्जिद को 'कार सेवकों ने गिरा दिया था। कार सेवकों का दावा था कि प्राचीन राम मंदिर इसी स्थल पर था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल नवंबर में अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया था और केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सुन्नी वक्फ बोर्ड को शहर के 'प्रमुख स्थान पर नए मस्जिद निर्माण के लिए वैकल्पिक पांच एकड़ जमीन मुहैया कराएं। शिवसेना ने दुःख व्यक्त किया कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाने वाले सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया। 'सामना में कहा गया कि बाबरी मस्जिद को गिराने में अहम भूमिका निभाने वाली शिवसेना को भी आमंत्रित नहीं किया गया। शिवसेना ने कहा, ''यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि मोदी के शासनकाल में इस मामले का कानूनी समाधान निकला। अन्यथा, गोगोई को सेवानिवृत्ति के बाद राज्य सभा का सदस्य नहीं बनाया गया होता। पार्टी ने कहा कि बाबरी कार्य समिति के इकबाल अंसारी को कार्यक्रम का न्यौता मिला। 'सामना में कहा गया कि अंसारी ने इस लड़ाई को 30 साल तक खींचा, जबकि ''गोगोई ने भगवान राम को कानूनी पेंच से बाहर निकाला । इसमें कहा गया कि विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, शिवसेना और आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने राम मंदिर निर्माण आंदोलन के दौरान लाठियां और गोलियां खाईं और कइयों ने अपनी जिंदगी कुर्बान कर दी। शिवसेना ने कहा कि 'भूमि पूजन के साथ ही बुधवार को राम मंदिर का मुद्दा सभी के लिए समाप्त हो जाना चाहिए। सामना में कहा गया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वाम पंथी पार्टियों की भावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए। सामना में कहा गया कि भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने राम मंदिर निर्माण का श्रेय दिवंगत कांग्रेस नेताओं पी वी नरसिम्हा राव और राजीव गांधी को दिया है।

कुलभूषण जाधव मामले में पाकिस्तानी कोर्ट ने 3 न्यायालय मित्र किए नियुक्त

इस्लामाबाद।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने पाकिस्तान सरकार को कुलभूषण जाधव मामले भारत को एक और मौका देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट के इस आदेश से पाकिस्तान सरकार को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने कुलभूषण जाधव मामले में तीन वकीलों को न्याय मित्र बनाया है। न्यायालय मित्र वह होते हैं जो किसी मामले में कोर्ट की मदद करते हैं। अदालत ने इस मामले की सुनवाई के लिए बड़ी बेंच बनाने का भी आदेश दिया। इस मामले में अब तीन सितंबर को बड़ी बेंच के समक्ष सुनवाई होगी। इससे पहले कोर्ट ने कहा था कि भारतीय अधिकारियों को भी कुलभूषण जाधव के लिए वकील नियुक्त करने का मौका दिया जाना चाहिए।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार की अपील पर हाई कोर्ट इस मामले में सुनवाई कर रही थी और उसने जाधव के लिए वकील नियुक्त करने की इजाजत दी है। फिलहाल, यह सुनवाई 3 सितंबर तक टाल दी गई है। भारतीय नेवी के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव के लिए इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने तीन वरिष्ठ वकीलों को न्याय मित्र घोषित किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल खालिद जावेद खान से कहा है कि भारत सरकार और जाधव को एक बार फिर बचाव के लिए काउंसिल तैनात करने का मौका दिया जाए।

भारतवंशी डॉक्टर न्यूयॉर्क का नया स्वास्थ्य आयुक्त नियुक्त

न्यूयॉर्क।

जन स्वास्थ्य में विशेषज्ञता वाले भारतीय मूल के डॉक्टर डी ए चोकसी (39) को न्यूयॉर्क का नया स्वास्थ्य आयुक्त नियुक्त किया गया है। शहर के मेयर बिल डे ब्लासियो ने शहर में कोरोना वायरस की अभूतपूर्व चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभाने के लिए उनकी तारीफ की। चोकसी को मंगलवार को शहर के स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग विभाग का आयुक्त नामित किया गया। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. ओक्सिरिस बारबोट ने पद से इस्तीफा दे दिया है। ब्लासियो ने कहा कि चोकसी ने अपना करियर ऐसे लोगों के लिए लड़ने में बिताया जिन्हें अक्सर पीछे छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान उन्होंने अभूतपूर्व चुनौतियों में हमारे शहर की जन स्वास्थ्य प्रणाली का नेतृत्व करने में मदद की। मुझे पता है कि एक निष्पक्ष और स्वस्थ शहर के लिए हमारी लड़ाई को आगे बढ़ाने का प्रभार संभालने के लिए वह तैयार हैं। चोकसी ने याद किया कि अवसरों के कारण दो पीढ़ियों पहले उनके दादाओं को गुजरात के छोटे गांवों से मुंबई जाना पड़ा था। उनके पिता परिवार में पहले सदस्य थे जो अमेरिका में आकर बस गए और यही उनका जन्म तथा पालन-पोषण हुआ।रोड्स शोधार्थी चोकसी ओबामा प्रशासन में व्हाइट हाउस फेलो रहे और वेटरन्स अफेयर्स मंत्री के प्रधान स्वास्थ्य सलाहकार रहे। चोकसी ने कहा, ''मुझे जीवन में अब तक सबसे अभूतपूर्व जन स्वास्थ्य संकट से निपटने के हमारे के तौर-तरीकों पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा कि वह न्यूयॉर्क शहर के लोगों की सेवा करके गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार न्यूयॉर्क शहर में कोरोना वायरस के 28,710 मामले आए और 2,507 लोगों ने जान गंवा दी। चोकसी ने कहा कि यह वैश्विक महामारी बीमारी और अन्याय के दुष्चक्र का सबसे ताजा उदाहरण है।

राम मंदिर के आलोचकों पर भड़के रामदेव, कहा- अयोध्या देखकर कई लोगों को लगेगी मिर्ची, उनके लिए बनाऊंगा दवा

नई दिल्ली।

योग गुरु बाबा रामदेव ने अयोध्या में भूमि पूजन पर सियासत करने वालों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग अयोध्या को लेकर जो उल्टी-पुल्टी बातें कर रहे हैं, उन्हें मिर्ची भी लग रही है। ऐसे लोगों के खाने के लिए मैं दवाइयां भी बनाऊंगा, जैसे कोरोनिल बनाई है। भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने अयोध्या पहुंचे योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा राम इसलिए नहीं पूजे जाते कि वे अयोध्या के राजा थे, बल्कि इसलिए पूजे जाते हैं कि उन्होंने वनवास लिया, रावण का संहार किया, उन्होंने एक पति, पुत्र और राजा का धर्म निभाया। उन्होंने कहा कि जो आलोचक हैं वह भी कोरोनिल खा रहे हैं। मैंने कहा खा लो, तभी जिंदा रहोगे। रामदेव ने कहा है कि राम का भव्य मंदिर बन रहा है और हमारी प्रार्थना है कि राम राज्य भी आए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का एक सपना पूरा हो रहा है तो काशी विश्वनाथ का भी और मथुरा-वृंदवान का भी सारे सपने पूरे होंगे। रामदेव ने पूरा भरोसा जताया है कि राम मंदिर दुनिया का सबसे दिव्य और श्रेष्ठ मंदिर होगा। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि श्रेष्ठ मंदिर बनने के साथ ही राम और सीता जैसा चरित्र इस राष्ट्र का होगा। क्योंकि भगवान राम सिर्फ एक इंसान ही नहीं थे। बल्कि वे हमारी संस्कृति हैं। भगवान राम हमारे आध्यात्म है। हमारी परंपरा और हमारे जीवन की मर्यादा है। प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी अयोध्या आपको बतां दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करते हुए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। आज मंदिर निर्माण की नींव रखे जाने के साथ ही राम मंदिर के लिए चलाया गया भाजपा का आंदोलन फलीभूत हो गया जिसने भगवा दल को सत्ता के शिखर तक पहुंचा दिया। भूमि पूजन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी मौजूद थे। पुजारियों ने मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन की शुरुआत की और फिर मोदी द्वारा मंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखे जाने के साथ ही भूमि पूजन संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दौरान नौ शिलाओं की पूजा की गई और मोदी ने मंदिर की नींव की मिट्टी से अपने माथे पर तिलक लगाया। इससे पहले, लखनऊ से मोदी हेलीकॉप्टर से अयोध्या पहुंचे जहां मुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन से पहले मोदी हनुमानगढ़ी स्थित मंदिर पहुंचे और राम मंदिर निर्माण के लिए हनुमान जी से आशीर्वाद मांगा।

अयोध्या राम मंदिर की नींव रखने पर अमेरिका में मनाया गया जश्न

वाशिंगटन। अयोध्या में एतिहासिक राम मंदिर की नींव रखे जाने का अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों ने जश्न मनाया। कैपिटल हिल में राम मंदिर की तस्वीरों की एक झांकी भी निकाली गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में बुधवार को राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया और मंदिर की आधारशिला रखी। भारत की सर्वोच्च अदालत ने पिछले साल दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करते हुए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। अमेरिका में हिंदू समुदाय के विभिन्न समूहों ने समारोह की महत्ता को इंगित करते हुए कई ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन किया है। वाशिंगटन में विश्व हिंदू परिषद, अमेरिका के सदस्यों ने मंगलवार को एक ट्रक पर झांकी निकाली, जिसमें राम मंदिर की एक डिजिटल तस्वीर थी। इस ट्रक ने कैपिटल हिल में ''जय श्री राम के नारों के बीच शहर के चक्कर लगाए । अमेरिका के बाकी हिस्सों में हिंदू समुदाय के लोगों ने घरों में दीप जलाए। कैलिफोर्निया में रहने वाले समुदाय के नेता अजय जैन भुटोरिया ने कहा, '' सभी भारतीयों, खासकर हिंदू, जैन और भगवान राम की पूजा करने वाले सभी लोगों को अयोध्या में राम मंदिर की नींव रखे जाने के एतिहासिक दिन की बधाई। कोरोना वायरस की वजह से सार्वजनिक रूप से इसका जश्न कम ही मनाया गया। लेकिन इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कई ऑनलाइन समारोह आयोजित किए गए। समुदाय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, '' लोग अपने घरों में पूजा कर, दीप जला कर जश्न मना रहे हैं। कई लोगों के लिए यह दिवाली की तरह होगा। भारतीयों के बीच काफी उत्साह है। इस बीच, कनाडा में ब्रैंपटन शहर के मेयर पैट्रीक ब्राउन ने इस मौके पर हिंदू समुदाय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पवित्र स्थल पर मंदिर के निर्माण के लिए बधाई। इसे मुमकिन बनाने के लिए किए गए प्रयासों की खातिर श्री श्री रवि शंकर को बधाई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 के बाद चीन के प्रति अमेरिका का रवैया काफी बदला : ट्रंप

वाशिंगटन।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में कोरोना वायरस का प्रकोप होने के बाद उनके देश का रवैया चीन के प्रति काफी बदला है। ट्रंप ने साथ में यह भी दोहराया कि चीन को वुहान में ही इस जानलेना संक्रमण को रोक लेना चाहिए था। ट्रंप ने कोविड-19 प्रकोप से निपटने को लेकर चीनी सरकार को पहले भी आड़े हाथ लिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में मंगलवार को पत्रकारों से कहा, चीनी वायरस से हमारे प्रभावित होने के बाद से, मेरे ख्याल से हमारा रवैया चीन को लेकर काफी बदला है। उन्हें इसे रोकने में सक्षम होना चाहिए था। इसलिए हम अलग महसूस करते हैं। पिछले महीने ट्रंप ने कहा था कि चीन को उसकी गोपनीयता, कपट और छुपाने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसी वजह से दुनिया भर में जानलेवा विषाणु फैला। हालांकि चीन ने आरोपों से इनकार किया है। जॉन हॉपकिन्स कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के मुताबिक, दुनिया भर में 1.80 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं और सात लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका इस महामारी से सबसे बुरी तरह से प्रभावित है। देश में 47 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों का आंकड़ा भी 1,56,000 से ज्यादा है। कोरोना वायरस की उत्पत्ति पिछले साल दिसंबर में चीनी शहर वुहान में हुई थी। इसने दुनिया की अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का कहना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर मंदी आने के संकेत हैं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि 70 फीसदी क्षेत्रों में मामले घट रहे हैं। ये पिछले सोमवार को 36 प्रतिशत थे। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि मृत्यु दर में भी कमी आई है। इससे पहले दिन में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केयली मैकइनेनी ने कहा कि राष्ट्रपति देश के लाखों लोगों के निजी डेटा की सुरक्षा के लिए टिकटॉक पर ध्यान केंद्रित किये हुए हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कानून के मुताबिक चीनी कंपनियों के लिए यह जरूरी है कि वे वहां की सुरक्षा और खुफियां सेवाओं के साथ सहयोग करें जिससे कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीसीपी) तक मैकइनेनी ने कहा कि ये कंपनियां अंततः सीसीपी के प्रति जवाबदेह हैं ।

जो अमेरिकी हितों को नजरंदाज करती है और अमेरिकी मूल्यों तथा व्यक्तियों के अधिकारों के विरूद्ध है।

अयोध्या राम मंदिर के शिलान्यास से बौखलाया पाकिस्तान, रेल मंत्री शेख रशीद ने दिया भड़काऊ बयान

पेशावर।

अयोध्या में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर का भूमि पूजन से पहले ही पाकिस्तान के होश उड़े हुए हैं। इस मुद्दे पर एक बार फिर इमरान खान सरकार के मंत्री का बेतुका बयान सामने आया है। । पाक सरकार में रेल मंत्री शेख रशीद ने मोदी सरकार की आलोचना करते हुए उसे सांप्रदायिक करार दिया है। रशीद ने एक भड़काऊ बयान में कहा- भारत अब राम नगर हो गया है और वहां सेक्युलरिज्म खत्म हो गया है। । अयोध्या मामले में जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला राम मंदिर के पक्ष में आया था, तब भी रशीद ने कुछ इसी तरह की प्रतिक्रिया दी थी। तब रशीद ने कहा था कि भारत में अब हिंदूवादी ताकतें हावी हो गई हैं। मंगलवार को एक बयान में इमरान के रेल मंत्री शेख रशीद ने भारत में सेक्युलरिज्म पर ही सवाल उठा दिए। कहा- भारत अब राम नगर में तब्दील हो चुका है। वहां सांप्रदायिकता बढ़ रही है और धर्म निरपेक्षता यानी सेक्युलरिज्म खत्म हो रहा है। साफ तौर पर कहूं तो भारत अब सेक्युलर रहा ही नहीं। वहां अल्पसंख्यकों को दिक्कत हो रही है। भारत अब श्रीराम के हिंदुत्व में ढल चुका है। रशीद कश्मीर का राग अलापने से भी पीछे नहीं रहे। यह संयोग ही है कि जिस दिन मोदी राम मंदिर का भूमि पूजन करेंगे, उसी दिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए हुए एक साल हो रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले साल 5 अगस्त को ही अनुच्छेद 370 हटाया था। इसके साथ ही कश्मीर का स्पेशल स्टेटस भी खत्म हो गया था। रशीद ने कहा- पाकिस्तान के मुसलमान कश्मीरियों के साथ खड़े हैं। भारत उन्हें यह तय करने का मौका दे कि वे किसके साथ रहना चाहते हैं।

एच-1बी वीजा प्रतिबंध: डेमोक्रेटिक सांसदों ने स्वास्थ्य कर्मियों को छूट देने की अपील की

वाशिंगटन।

डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ प्रभावशाली सांसदों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन से एच-1बी वीजा धारकों के देश में प्रवेश पर लगाए प्रतिबंध से कुछ स्वास्थ्यसेवा कर्मियों को छूट देने की अपील की है। राष्ट्रपति ट्रम्प प्रशासन ने 23 जून को इस महत्वपूर्ण चुनावी वर्ष में अमेरिकी कर्मचारियों के संरक्षण के लिए एच-1बी वीजा और अन्य प्रकार के विदेशी कार्य वीजा को 2020 के अंत तक स्थगित कर दिया था। एच-1बी वीजा भारतीय आईटी पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। यह एक गैर-आव्रजक वीजा है। इसके जरिये अमेरिकी कंपनियां तकनीकी या अन्य विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकती हैं। अमेरिका की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां हर साल इस वीजा के आधार पर चीन और भारत से हजारों पेशेवरों की नियुक्त करती हैं। विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ, होमलैंड सुरक्षा के कार्यकारी मंत्री चाड वुल्फ और श्रम मंत्री युजिन स्कालिया को लिखे एक पत्र में सांसदों ने मंगलवार को कहा कि प्रतिबंधों ने बड़े पैमाने पर, विशेष रूप से ग्रामीण और अशिक्षित समुदायों की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित किया है, जो अधिकतर आव्रजक चिकित्सकों के आसरे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही कोविड-19 संबंधित देखभाल और अनुसंधान पर काम करने वाले व्यक्तियों को रियायत दी गई है लेकिन इस संकट के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या सीमित करना सभी अमेरिकियों को जोखिम में डालता है। पत्र पर प्रतिनिधिसभा की न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष जेरोल्ड नैडलर, प्रतिनिधिसभा की की 'वेज एंड मीन्स कमेटी' के अध्यक्ष रिचर्ड नील और आव्रजन एवं नागरिकता पर प्रतिनिधिसभा की की उपसमिति के उपाध्यक्ष जोए लोफग्रेन के हस्ताक्षर हैं।

रूस ने सबसे पहले बना ली कोरोना वैक्सीन अगले महीने से शुरू करेगा उत्पादन

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया में कोरोना वायरस वैक्सीन बनाने के लिए अमेरिका सहित कई देशों में होड़ मची हुई है। हर देश दुनिया में सबसे पहले वैक्सीन सामने लाकर इतिहास बनाना चाहता है। पिछले कुछ समय से अमेरिका सबसे पहले कोरोना वैक्सीन बना कर इसकी खेप बाजार में लाने के वायदे कर रहा है । लेकिन लगता है रूस इस दौड़ में अब सबसे आगे निकल चुका है। ताजी रिपोर्ट के अनुसार रूस ने कोरोना वैक्सीन बना ली है और अगले महीने से इसका उत्पादन शुरू कर देगा। रूस की एक एजेंसी टीएएसएस ने कहा कि वर्तमान में देश की जरूरतों के लिए कोरोना वायरस का वैक्सीन बनाने जा रहे हैं। प्रथम चरण में कोरोना वैक्सीन का उत्पादन सितंबर के अंत तक हो जाएगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि में कोरोना वायरस की वैक्सीन का ट्रायल अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस वैक्सीन को गामालेया नेशनल रिसर्च सेंटर आफ ऐपीडेमीलॉजी एंड माइक्रोबॉयोलॉजी बना रहा है। इस वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों में इम्युनिटी दिखाई पड़ रही है। रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया गया है कि इस टीके को लगाने के बाद परिणाम बहुत सकारात्मक आए हैं। ट्रायल किए जा रहे व्यक्ति की इम्यूनिटी सिस्टम बेहतर रिस्पांस कर रही थीय़ व्यक्ति पर किसी भी किस्म का साइड इफेक्ट नहीं पाया गया। वॉलंटियर का बुरडेंको हॉस्पिटल में टेस्ट किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रूस से वैक्सीन उत्पादन के लिए बनाई गई गाइडलाइन का पालन करने के लिए कहा है। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रवक्ता क्रिस्टियन लिंडमियर से यूएन प्रेस ब्रीफिंग के दौरान सवाल किया गया था कि अगर किसी वैक्सीन का फेज 3 का ट्रायल किए बगैर ही उसके उत्पादन के लिए लाइसेंस जारी कर दिया जाता है तो क्या संगठन इसे खतरनाक करार देगा।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से मौत का आंकड़ा छह हजार के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस से 15 और लोगों की जान चली गई। इसके बाद कोविड-19 से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 6,014 हो गया है। वहीं इस महामारी के कुल मामले 2.81 लाख से ज्यादा हो गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि मुल्क में 675 नए मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में बताया, 675 नए मामले सामने आने के बाद, संक्रमण के कुल मामले 2,81,136 हो गए हैं। मृतकों की संख्या बढ़कर 6,014 हो गई है। 2,54,286 मरीज बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 2,54,286 मरीज बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 2,54,286 मरीज बीमारी से पूरी तरह ठीक हो गए हैं। हालांकि 872 मरीजों की हालत नाजुक है। सिंध प्रांत में कोविड-19 के 1,22,016 मामले हैं, जबकि पंजाब प्रांत में 93,571, खैबर-पख्तूनख्वा में 34,324, इस्लामाबाद में 15,122, बलूचिस्तान में 11,780, गिलगित-बाल्तिस्तान में 2,218 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,105 मामले हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 11,915 नमूनों की जांच की गई है। अबतक कुल 20,43,870 नमूनों की जांच की जा चुकी है।

कोरोना महासंकट के बीच श्रीलंका में संसदीय चुनाव के लिए मतदान शुरू

कोलंबो।

श्रीलंका में बुधवार को संसदीय चुनाव के लिए मतदान हो रहे हैं, जिसमें राजपक्षे परिवार द्वारा संचालित पार्टी के जीतने की संभावना है । इससे पहले यह चुनाव दो बार स्थगित कर दिया गया था। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह स्थानीय समय के अनुसार शाम पांच बजे तक जारी रहेगा। कोरोना वायरस महामारी की वजह से दो बार इस चुनाव को टालना पड़ा था। संसद के 225 सदस्यों के पांच साल तक के निर्वाचन के लिए चुनाव हो रहे हैं। करीब 1.6 करोड़ लोग 225 सांसदों में से 196 के निर्वाचन के लिए मतदान कर रहे हैं। वहीं 29 अन्य सांसदों का चयन प्रत्येक पार्टी द्वारा हासिल किए गए मतों के अनुसार बनने वाली राष्ट्रीय सूची से होगा। पहले यह चुनाव 25 अप्रैल को होने वाला था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर इसकी तारीख बढ़ाकर 20 जून की गई। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीख आगे बढ़कार पांच अगस्त कर दी गई। निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष महिंदा देशप्रिय सबसे पहले वोट डालने वाले मतदाताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा, '' कोई भी मतदान केंद्र पर कोरोना वायरस नहीं ला सकता है, मतदान केंद्र पर भी यह वायरस नहीं है इसलिए कोई संक्रमण बाहर भी नहीं ले जा सकता है। इसलिए मैं आश्वासन दे सकता हूं कि मतदान 100 फीसदी कोरोना वायरस मुक्त होगा। स्वास्थ्य चिंताओं के बीच देशप्रिय को 80 फीसदी मतदान की उम्मीद है। 20 राजनीतिक पार्टियां और 34 निर्दलीय समूह के 72,000 से ज्यादा उम्मीदवार 22 चुनावी जिलों से मैदान में हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की श्रीलंका पीपल्स पार्टी (एसएलपीपी) का नेतृत्व उनके भाई और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे कर रहे हैं और इस पार्टी के जीतने की संभावना है। राष्ट्रपति उम्मीदवार नहीं हैं जबकि महिंदा चुनाव लड़ रहे हैं।

अयोध्या में मंदिर शिलान्यास पर वर्ल्ड मीडिया हुआ राममय, सुर्खियां देख गदगद हो रहे रामभक्त

इंटरनेशनल डेस्क।

अयोध्या में राम मंदिर भूमिपूजन के साथ ही रामभक्तों का मंदिर निर्माण को लेकर बरसों पुराना सपना आज साकार हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (बुधवार) को भूमि पूजन के बाद मंदिर का शिलान्यास किया। इस ऐतिहासिक पल का सिर्फ भारतीय मीडिया ही नहीं बल्कि वर्ल्ड मीडिया भी गवाह बना। राम मंदिर भूमि पूजन वर्ल्ड मीडिया की सुर्खियों में छाया रहा। ष्टहह, द गार्जियन, ब्ठ्ठष्ट, अलजजीरा और डॉन ने इस ऐतिहासिक घटना को प्रमुखता से कवर किया। इस मुद्दे पर विदेशी मीडिया में जबरदस्त सुर्खियां देख दुनिया भर के रामभक्त गदगद हो रहे हैं। जानिए किस मीडिया ने क्या लगाई सुर्खियां... लिखा कि कोरोना यरस संकट के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थान पर राम मंदिर का शिलान्यास कर भारतीय इतिहास को नया आयाम दिया है। लिखा यह जगह सालों से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच विवाद का जड़ रही है। बुधवार को भूमि पूजन कार्यक्रम ऐसे समय हो हुआ, जब भारत में लगातार पांच दिनों से 50 हजार से ज्यादा संक्रमण के नए मामले आ रहे हैं। बता दें कि संक्रमण के मामले में भारत दुनिया में तीसरे नंबर है। गृह मंत्री अमित शाह और अयोध्या में मंदिर के पुजारी समेत चार सिक्युरिटी गार्ड भी संक्रमित हुए हैं। ब्रिटेन के अखबार द गार्जियन ने लिखा कि अयोध्या में दिवाली तीन महीने पहले ही आ गई है। शहर में राम मंदिर की आधारशिला रखी जा रही है। दशकों से यह भारतीय इतिहास का सबसे भावनात्मक और विभाजनकारी मुद्दा रहा है। भगवान राम हिंदुओं में सबसे ज्यादा पूजनीय हैं। उनका मंदिर बनना बहुत से हिंदुओं के लिए गर्व का क्षण है। लेकिन, भारतीय मुसलमानों के मन में दो तरह की भावनाएं हैं। एक तो उनकी मस्जिद के जाने का दुःख है जो 400 सालों से वहां खड़ी थी। दूसरा- उन्होंने मंदिर निर्माण पर अपनी मौन सहमति भी दे दी है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने लिखा कि बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर की नींव अलग प्रकार के भारतीय संविधान का शिलान्यास है। इस जगह पर करीब 500 सालों से बाबरी मस्जिद थी। मोदी के आलोचक मानते हैं कि यह सेक्युलर भारत को हिंदू राष्ट्र में बदलने का एक और कदम है। भारत के सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) के पूर्व अध्यक्ष प्रताप भानु मेहता के हवाले से डॉन ने लिखा - राम मंदिर का शिलान्यास इस बात का संकेत है कि भारत का मौलिक संवैधानिक ढांचा बदल रहा है। संकेत है कि भारत का मौलिक संवैधानिक ढांचा बदल रहा है। अपनी वेबसाइट पर लिखा- कोरोना वायरस जैसी महामारी की वजह से भारी भीड़ नहीं हुई, लेकिन भारत के ही नहीं पूरी दुनिया के हिंदू खुश हैं। प्रधानमंत्री मोदी राम मंदिर का भूमि पूजन किया। यहां पहले कथित तौर पर मस्जिद थी। राम मंदिर के निर्माण में तीन से साढ़े तीन साल लगेंगे। यह दुनिया के सबसे भव्य मंदिरों में से एक होगा।

चीन को सबक सिखाने के लिए भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाएगा अमेरिका: रिपोर्ट

वाशिंगटन। चीन को सबक सिखाने के लिए अमेरिका का भारत के लिए एक नया प्लान सामने आया है। अमेरिका, भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है। मीडिया की एक खबर के अनुसार इन हथियारों में सशस्त्र ड्रोन भी शामिल हैं, जो 1,000 पौंड से अधिक बम और मिसाइल ले जा सकते हैं। भारत और चीन के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद यह कदम काफी मायने रखता है। भारतीय सेना के 20 जवान 15 जून को हुई झड़प में शहीद हो गए थे। चीनी सैनिक भी हताहत हुए थे, लेकिन उसने इसकी आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन के 35 सैनिक हताहत हुए थे। 'फॉरेन पॉलिसी पत्रिका ने अमेरिकी अधिकारियों और संसद के सहयोगियों के साक्षात्कारों के आधार पर एक रिपोर्ट में कहा, ''(अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप का प्रशासन भारत और चीन के बीच सीमा पर हिंसक झड़प के मद्देनजर भारत में हथियारों की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिससे वाशिंगटन और बीजिंग के बीच तनाव का एक और मुद्दा खड़ा हो गया जाएगा। पत्रिका ने अधिकारियों के हवाले से कहा कि अमेरिका ने हाल के महीनों में भारत को नए हथियारों की बिक्री की योजना तैयार की है, ''जिसमें सशस्त्र ड्रोन जैसी उच्च स्तर की हथियार प्रणाली और उच्च स्तर की प्रौद्योगिकी शामिल हैं। ट्रंप ने आधिकारिक रूप से उन नियमों में संशोधन किया है, जो भारत जैसे विदेशी भागीदारों के लिए सैन्य-स्तर ड्रोन की बिक्री को प्रतिबंधित करते थे। रपोर्ट में कहा गया है कि इससे अमेरिका को सशस्त्र ड्रोन की बिक्री पर विचार करने की अनुमति मिलेगी।

विश्व में कोरोना से 1.87 करोड़ संक्रमित व 7.05 लाख मौतें, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में छाई वीरानी

इंटरनेशनल डेस्क।

पूरी दुनिया में कोरोना वायरस से मौतों और संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। विश्व में इस महामारी से अबतक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1.87 करोड़ हो गई है और 7.05 लाख लोगों की जान जा चुकी है। दुनियामें वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 18,731,919 हो गई है । संक्रमण के मामले में अमेरिका पहले ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे पायदान पर है। दुनिया भर में कोरोना से ठीक होने वाले लोगों की संख्या भी 1.2 करोड़ हो चुकी है और 705,026 लोगों की जान जा चुकी है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 51,603 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 28 लाख का आंकड़ा पार कर 28,01,921 हो गयी है। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 1154 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 95 हजार के आंकड़े को पार कर 95,819 पहुंच गयी है। ब्राजील में 19,70,767 लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमितों की संख्या के मामले में ब्राजील (28.01 लाख) पहले से ही अमेरिका (47.68 लाख) के बाद दूसरे स्थान पर है। कोरोना के कारण हुई मौतों की संख्या वाली सूची में भी ब्राजील अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो लगातार कोरोना वायरस को एक सामान्य फ्लू बताते आए हैं जिसके कारण उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। श्री बोलसोनारो स्वयं भी कोरोना से संक्रमित होने के बाद ठीक हुए हैं। गौरतलब है कि ब्राजील में कोरोना संक्रमण का पहला मामला 26 फरवरी को सामने आया था। स्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में कोराना वायरस से संबंधित अब तक की सबसे सख्त पाबंदियों के लागू होने की पूर्व संध्या पर बुधवार को उन सड़कों पर वीरानी छाई रही जो कभी लोगों से गुलजार रहा करती थीं। ऑस्ट्रेलिया के हिप्स्टर कैपिटल कहे जाने वाले इस शहर में बुटिक और रेस्तरां गैर-आवश्यक उद्योगों पर प्रतिबंध के मद्देनजर बंद रहे। इस प्रतिबंध से बृहस्पतिवार से 250,000 से अधिक कामकाजी लोग अपने घरों तक सिमट जाएंगे। महामारी संबंधी नियमों को सख्ती से लागू कराने के लिए रक्षा कर्मियों और पुलिस अधिकारियों ने गलियों में गश्त की। इन पाबंदियों में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना अनिवार्य है। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे बड़े शहर को बंद करने से अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंच सकता है। देश की आर्थिक गतिविधि में इस शहर का अक्सर एक चौथाई योगदान रहता है। हेयरड्रेसर निकी फोइका ने कहा कि हाल के दिनों में उनके पास ग्राहकों की बुकिंग थी लेकिन अब सैलून कम से कम छह हफ्तों के लिए बंद रहेंगे। उन्होंने मेलबर्न में कोविड-19 के बढ़ रहे मामलों का जिक्र करते हुए कहा, ''मैं बस उम्मीद करती हूं कि यह सब हमारे काम आए। अगर सभी ने सही व्यवहार किया होता तो शायद यह नहीं हुआ होता।

साथ ही उन्होंने यह भी माना कि वह थोड़ी तनाव में हैं। विक्टोरिया में बुधवार को एक दिन में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 725 मामले सामने आए जबकि ऑस्ट्रेलिया में अन्य शहरों में संक्रमण के महज 14 नए मामले ही सामने आए। विक्टोरिया सरकार की वेबसाइट बुधवार को उस समय क्रैश हो गई जब आवश्यक सेवाओं में लगे कर्मचारियों ने परमिट के लिए आवेदन देना शुरू किया।

संक्षिप्त समाचार

बेरूत धमाके से 3 मंजिल तक उछलीं कारें, मृतकों का आंकड़ा 100 के पार

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरूत के पोत पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 100 से अधिक तथा घायलों का आंकड़ा 4000 से ज्यादा हो सकता है। लेबनान रेड क्रॉस सोसायटी के महासचिव जॉर्ज केटानेह ने बुधवार को कहा, हमारे पास चार हजार से ज्यादा लोगों के घायल होने के आंकड़े हैं, जिनमें से कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इसके साथ ही घटना में मरने वाले लोगों की संख्या 100 से अधिक हो सकती है। अब भी कुछ लोग धराशायी हुई इमारतों के मलबे में दबे हुए हैं। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी के पास लगातार लोगों के मरने, घायल होने तथा धराशायी हुई इमारतों के मलबे में दबे हुए लोगों के बारे में फोन आ रहे हैं। उन्होंने सरकार से घायलों को बेरूत के बाहर स्थित अस्पतालों में भेजने की अपील की है क्योंकि यहां के अस्पताल घायल लोगों से भरे पड़े हैं। बता दें कि बेरूत में मंगलवार शाम देर शाम तट के पास खड़े एक पटाखों से भरे जहाज में भीषण विस्फोट हो गया। धमाका इतना भीषण था कि 10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद घरों को नुकसान पहुंचा। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि धमाके से कारें तीन मंजिल तक उछल गईं और पास मौजूद कई बिल्डिंग्स एक पल में धराशायी हो गईं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि अभी कम से कम 78 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और क़रीब 4000 लोग जख्मी हुए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री हसन दिआब ने बुधवार को राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की है। राष्ट्रपति माइकल इयोन ने ट्वीट कर कहा है कि यह बिल्कुल अस्वीकार्य है कि 2,750 टन विस्फोटक नाइट्रेट असुरक्षित तरीक़े से स्टोर कर रखा गया था.। धमाका कैसे हुआ इसकी जांच अभी जारी है. मौक़ा ए वारदात से दिल दहला देने वाले वीडियो सामने आएं हैं जिनमें सड़कों पर लोगों के शव बिखरे नज़र आ रहे हैं। जिस विस्फोटक नाइट्रेट के स्टोर की बात कही जा रही है वो 2014 से ही स्टोर था। दूसरी ओर लेबनान ब्रॉडकास्टर मायाडेन ने कस्टम के निदेशक के हवाले से बताया कि करीब एक टन नाइट्रेट में विस्फोट हुआ है।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति को किया गया नजरबंद

बोगोटा। कोलंबिया में गृह युद्ध से जुड़े मामलों में संभावित गवाहों को रिश्वत देने और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे देश के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरिबे को नजरबंद रखा जाएगा। देश की सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार देर रात प्रकाशित और सर्वसम्मति से दिए गए आदेश में कहा कि मजिस्ट्रेटों ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मामले में न्याय को बाधित किए जाने का''संभावित जोखिम पाया। सुप्रीम कोर्ट के अध्यक्ष हेक्टर जेवियर अलारकोन ने कहा, ''वह (उरिबे) अपने आवास में हिरासत में रहेंगे। मानवाधिकार समूहों ने इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन देश के राष्ट्रपति इवान डुके समेत पूर्व राष्ट्रपति के समर्थकों ने इसकी आलोचना की है।

तूफान इसायस ने पूर्वी अमेरिका में मचाई तबाही, कम से कम 6 लोगों की मौत

लॉस एंजलिस। अमेरिका के पूर्वी तट पर उष्णकटिबंधीय तूफान 'इसायस की वजह से बवंडर उठने और तेज बारिश के कारण कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले इसायस के कारण उत्तरी कैरोलाइना में तूफान की वजह से बाढ़ आने और आग लगने की घटनाओं में कई लोग विस्थापित हो गए। इसायस के कारण उत्तरी कैरोलाइना में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा पेंसिल्वेनिया, मैरीलैंड और न्यूयार्क में एक-एक व्यक्ति की तेज बारिश और आंधी के कारण मौत हो गई। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार इसायस के कारण शुरुआत में 65 मील प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं लेकिन मंगलवार रात इनकी रफ्तार 50 मील प्रति घंटा हो गई। इसायस के उत्तर की ओर बढ़ने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई थी। फिलाडेल्फिया में शूइलकिल नदी में बुधवार को जलस्तर 15.4 फुट तक हो जाने की आशंका जताई गई है जो पिछले 150 साल से भी अधिक समय में सर्वाधिक जलस्तर है। बर्टी काउंटी बोर्ड ऑफ कमीशनर्स के अध्यक्ष रोन वेसन ने बताया कि उत्तर कैरोलाइना में मंगलवार को दो लोगों की मौत हो गई और 12 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उत्तर की ओर बढ़ते इसायस के कारण भारी बारिश होने और पेड़ों के गिरने का पूर्वानुमान जताया गया था। तूफान के कारण करीब 5,00,000 उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे पहले, ओशन आइल तट में चक्रवात से कई जगह पानी भर गया और पांच घरों में आग लग गई। यहां के मेयर डेबी स्मिथ ने यह जानकारी थी। अमेरिका के राष्ट्रीय चक्रवात केंद्र ने सागर किनारे रहने वालों के लिए चेतावनी जारी की थी। केंद्र के वरिष्ठ चक्रवात विशेषज्ञ डेनियल ब्राउन ने कहा, ''भारी बारिश के कारण पूर्वी कैरोलाइना, अटलांटिक के कुछ हिस्से तथा उत्तरपूर्वी अमेरिका में अचानक बाढ़ आ सकती है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात की चेतावनी अमेरिकी राज्य मेने तक के लिए जारी की गई है जिसमें कहा गया है कि कुछ इलाकों में बुधवार को आकस्मिक बाढ़ आने की आशंका है।

भूमि पूजन कर प्रधानमंत्री मोदी ने रखी राम मंदिर की नींव

–31 साल पुरानी 9 सिलाओं से राम मंदिर का भूमि पूजन किया
–पीएम मोदी ने अभिजीत मुहूर्त में मंदिर का शिलान्यास किया
–भागवत समेत करीब 175 लोग इस ऐतिहासिक लम्हे का गवाह बने

अयोध्या (एजेसी) अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन के बाद शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, आरएसएस चीफ मोहन भागवत समेत करीब 175 लोग इस ऐतिहासिक लम्हे का गवाह बने। पीएम मोदी ने अभिजीत मुहूर्त में मंदिर का शिलान्यास किया।

यहां पीएम मोदी ने परिसर की परिक्रमा की और साष्टांग दंडवत प्रणाम किया। भगवान को फूल प्रसाद अर्पित करने के बाद उन्होंने भगवान की आरती भी की। इससे पहले 31 साल पुरानी 9 सिलाओं से राम मंदिर का भूमि पूजन किया। अयोध्या पहुंचने पर पीएम मोदी ने सबसे पहले हलुमान गढ़ी में पूजा की। पीएम मोदी ने यहां पारिजात के पौधे का रोपण भी किया। पारिजात के पौधे का भी अपना एक विशेष महत्व है। पारिजात के फूल को भगवान हरि के श्रृंगार और पूजन में प्रयोग किया जाता है, इसलिए इस मनमोहक और सुगंधित पुष्प को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। भूमि पूजन आयोजन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में 28 साल बाद पहुंचे हैं। वह श्रीराम जन्मभूमि जाने वाले प्रथम प्रधानमंत्री बने हैं। इसी के साथ देश की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रतीक किसी मंदिर के शुभारंभ कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले पहले प्रधानमंत्री के तौर पर भी नरेंद्र मोदी का नाम दर्ज होगा।

हनुमान पूजन के साथ शुरू हुआ अनुष्ठानः

हनुमानगढ़ी में नरेंद्र मोदी पहुंचे और सबसे पहले शीश नवाजा। उन्होंने आरती उतारी और पूजा अर्चना की और मंदिर की परिक्रमा की। यही से शुरुआत होती है भगवान की भक्ति की प्रभु राम की पूजा की। वहां पर पीएम मोदी को एक पगड़ी पहनाई गई, जिसपर एक मुकुट भी बंधा हुआ है। कार्यक्रम अच्छी तरह से संपन्न हो इसके लिए अनुमति ली जाती है, भगवान के सेवक हनुमान से। कहा जाता है कि लंका विजय करने के बाद हनुमान यहां एक गुफा में रहते थे और राम जन्मभूमि और रामकोट की रक्षा करते थे। इसी कारण इसका नाम हनुमानगढ़ या हनुमान कोट पड़ा। इसे ही हनुमानजी का घर भी कहा गया।

जब रामलला के लिए लाई भेंट कार में ही भूल गए प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर रामलला के लिए कुछ खास लेकर आए। हालांकि, वो रामलला के लिए लाई गई अपनी भेंट कार में ही भूल गए। प्रधानमंत्री जब कार से उतर कर परिसर की तरफ बढ़े तो उन्हें अपनी उस भेंट की याद आई। फिर प्रधानमंत्री खुद कार की तरफ चल पड़े। मोदी ने कार में आकर वो भेंट लिया और फिर पूजा स्थल पर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पूर्व 28 साल पहले 1992 में पहली बार अयोध्या पहुंचे थे। तब वह बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा में उनके सहयोगी के तौर पर अयोध्या पहुंचे थे।

इस घड़ी की प्रतीक्षा में हमारी कई पीढ़ियां चली गईंःयोगी

भूमि पूजन के बाद पीएम मोदी, सीएम योगी, आरएसएस चीफ भागवत स्टेज पर पहुंचे। अपने संबोधन के दौरान सीएम योगी भावुक हो गए। सीएम योगी ने कहा, '500 वर्षों का लंबा और कड़ा संघर्ष अब लोकतांत्रिक और संविधान सम्मत तरीके से संपन्न हुआ। इस घड़ी की प्रतीक्षा में हमारी कई पीढ़ियां चली गईं। राम मंदिर के निर्माण का सपना लिए अनेक लोगों ने बलिदान दिया।

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज गौरवान्वित होने का अवसर मिला। राम मंदिर का सपना सच हो रहा है। अवधपुरी की धरती समृद्धशाली बनेगी। हम सबके लिए उमंग, उत्साह और भावनात्मक दिन। मैं सभी लोगों का उत्तर प्रदेश की भूमि पर अभिनंदन करता हूं। जय–जय श्रीराम।'

सब राम के हैं और सबमें राम हैंःभागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'आडवाणी से घर में बैठे यह क्षण देख रहे होंगे। कई लोग इस अवसर पर आ नहीं सके। समय ऐसा चल रहा है। पुरुषार्थ का भाव हमारे रग–रग में है। भगवान राम का उदाहरण है। सब राम के हैं और सबमें राम हैं। यह सभी भारतवासियों के लिए है। कोई अपवाद नहीं। अब भव्य राम मंदिर बनेगा।

मंदिर के पूर्ण होने से पहले हमारा मन मंदिर पूरा होना चाहिए।

हृदय भी राम का बसेरा होना चाहिए। इसलिए सभी द्वेष, विकार, भेदों को तिलांजलि देकर संपूर्ण जगत को अपनाने की क्षमता रखने वाला मनुष्य होना चाहिए।'

योगी आदित्यनाथ ने समस्त रामभक्तों की तरफ से मोदी से किया राम राम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राम मंदिर भूमि पूजन के लिए पहुंचे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समस्त रामभक्तों की ओर से राम राम की है। योगी ने ट्वीट किया, प्रबिसि नगर कीजे सब काजा। हृदयँ राखि कोसलपुर राजा।। उन्होंने कहा कि श्री अवधपुरी में दशरथ नंदन श्री रामलला के भव्य–दिव्य मंदिर निर्माण की बहुप्रतीक्षित अभिलाषा को पूर्ण करने हेतु उत्तर प्रदेश की पावन धरा पर पधार रहे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को समस्त राम भक्तों की ओर से राम–राम! मुख्यमंत्री योगी ने एक अन्य ट्वीट में चौपाई कही, जासु बिरहँ सोचहु दिन राती।

रटहु निरंतर गुन गन पाँती? रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता।।

उन्होंने कहा कि प्रिय राम भक्तो, आपका अभिनंदन, आपको बधाई ... ।

यूपी के 16 जिलों के 536 गांव बाढ़ प्रभावित, सरकार का दावा स्थिति नियंत्रण में

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के 16 जनपदों के 536 गांवों बाढ़ से प्रभावित हैं। शारदा नदी, पलिया कला लखीमपुरखीरी, सरयू नदी, तुर्तीपार बलिया राप्ती नदी बर्डघाट गोरखपुर, सरयू (घाघरा) नदी–एल्गिनब्रिज बाराबंकी और अयोध्या में अपने खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इस सबके बीच राज्य सरकार की ओर से दावा किया गया है कि प्रदेश में वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है।और कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि नदियों के जलस्तर के सतत् निगरानी रखी जाये तथा आसपास के गांवों में पानी भरने के पूर्व ही मुनादी कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तथा बाढ़ शरणालयों में ले जाया जाये।

प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है। प्रदेश में बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है।

प्रदेश के प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा पीएसी की कुल 16 टीमें तैनाती की गयी है। 2,728 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है। बाढ़, अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु बचाव व राहत प्रबन्धन के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि नदियों के जलस्तर के सतत् निगरानी रखी जाये तथा आसपास के गांवों में पानी भरने के पूर्व ही मुनादी कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तथा बाढ़ शरणालयों में ले जाया जाये।

बाढ़ शरणालयों में कोविड–19 के दृष्टिगत समुचित सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन किया जाये तथा भोजन आदि की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है। प्रदेश के समस्त बांधों पर निगरानी रखी जाये तथा आवश्यक रिपेयर समाग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये ताकि किसी भी प्रकार की क्षति होने से पूर्व ही उसे रोका जा सके।

राहत आयुक्त गोयल ने बताया कि जनपद बलिया में सरयू (घाघरा) नदी के दायें तट पर स्थित बकुलहा संसार टोला तटबंध के किमी0 4.125 के मध्य निर्मित टी–स्पर के नोज भाग के अपरस्ट्रीम में स्लोप क्षतिग्रस्त होना सूचित हुआ है। कटान को रोकने हेतु तुरंत सीमेंट की खाली बारी में बिक्र रोड़ाभर कर गैवियान रोप में डालकर फलट फाईटिंग का कार्य कराया जा रहा है।

कटान स्थल पर जीआई वायर क्रेट में बोल्डर डाल कर कटर निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। तटबंध की सतत् निगरानी की जा रही है।

वर्तमान में तटबंध सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि बाढ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 160 बाढ़ शरणालय और 03 जनपदों में 36 शरणालयों में 3,984 व्यक्ति रह रहे है

तथा 657 बाढ़ चैकी स्थापित की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 16 जनपदों के 536 गांवों बाढ़ से प्रभावित है। शारदा नदी, पलिया कला लखीमपुरखीरी, सरयू नदी, तुर्तीपार बलिया राप्ती नदी बर्डघाट गोरखपुर, सरयू (घाघरा) नदी–एल्गिनब्रिज बाराबंकी और अयोध्या में अपने खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 139 पशु शिविर स्थापित किये गये है तथा 5,12,591 पशुओं का टीकाकरण भी किया गया हैं।

उन्होंने बताया कि पशु के चारे हेतु कुल 415 कुंतल भूसा वितरित किया गया है। आपदा से निपटने के लिए जनपद एवं राज्य स्तर पर आपदा नियंत्रण केन्द्र की स्थापना की गयी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी बाढ़ या अन्य आपदा के संबंध में कोई भी समस्या होती है

तो वह जनपदीय आपदा नियंत्रण केन्द्र या राज्य स्तरीय कंट्रोल हेल्प लाइन नं.–1070 पर फोन कर सम्पर्क कर सकता है।

संवाददाता संजय मौर्या

कानपुर—बर्रा जरौली फेस 2 इलाके में दबंगो का कहर।

देर रात अजय परिहार के घर के बाहर दबंगो ने चलाए बम । कुछ माह पहले भी देर रात दबंग बम चला कर फरार हो गए थे । पहले अजय परिहार के पैर में मारी थी गोली घटना कल देर रात। बम चलने की घटना cctv में कैद।

जिला दिव्यांग बन्धु कमेटी में उठा दिव्यांगजन अधिनियम 2016 के अनुपालन का मामला

संवाददाता संजय मौर्या

कानपुर जिला दिव्यांगजन कमेटी की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में हुयी। बैठक में राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय

जिलाधिकारी ने दिया सभी विभागाध्यक्षो को कार्यवाही का आदेश

महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने आज जिला दिव्यांगजन अधिनियम 2016 के अनुपालन व प्रचार प्रसार करने के लिए आवाज उठाई जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षो को अधिनियम के अनुपालन के लिये कार्यवाही का आदेश दिया हैं।

वीरेन्द्र कुमार ने कहा की दिव्यांगजन अधिनियम 2016 का अनुपालन न होने से विकलांग व्यक्तियों को न्याय नहीं मिल पा रहा है।

इस अधिनियम के तहत चार वर्षों में एक भी विकलांग व्यक्ति की रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकीं। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी जानकारी नही है । वीरेन्द्र कुमार ने मांग किया की दिव्यांगजन अधिनियम 2016 का बोर्ड सभी सार्वजनिक स्थानों, चौकी थानो से लेकर सी ओ, एस पी, एस एस पी कार्ययालयो में लगाया जाय । बैठक में विकलांग प्रमाण पत्र व यू डी आई डी कार्ड बनवाने की मांग की गयी द्य लाकडाउन की वजह से विकलांग प्रमाण पत्र व यू डी आई डी कार्ड बनना बन्द हैं। बैठक में विकलांग व्यक्तियों का आरक्षण कोटा पुरा करने व पदोन्नति मे आरक्षण शासनादेश के अनुसार देने की मांग की गयी ।बैठक में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अखिलेश बाजपेई, राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार, हृदेश सिंह, अब्दुल वाहीद, बृजेश कटियार, ए सी एम ओ वाई के वर्मा, प्रशान्त कुमार आदि शामिल थे।

सार–समाचार

सड़क दुघर्टना में पिता–पुत्र की मौत

मसौली बाराबंकी(एजेसी) थाना क्षेत्र के बिन्दौरा के निकट हॉइवे पर रोडवेज बस एव बॉइक की आमने सामने हुई टक्कर में पिता पुत्र की मौत हो गयी। पुलिस ने पँचनांमा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।दोनों पिता पुत्र बॉइक से काम के सिलसिले में लखनऊ जा रहे थे। रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़वल निवासी सियाराम शर्मा पुत्र सनेही अपने 28 वर्षीय पुत्र मनोज शर्मा के साथ बॉइक नम्बर यूपी 32 जीके 6903 से लखनऊ काम के सिलसिले में जा रहा थे बॉइक सवार पिता पुत्र बिन्दौरा डबल नहर ओवरब्रिज के पास पहुँचते के इससे पूर्व सामने से आ रही परिवहन निगम की अनुबन्धित बस नम्बर यूपी 41 एटी 2641 ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमे पुत्र मनोज शर्मा की मौके पर ही मौत हो गयी तथा घायल पिता सियाराम को पीआरवी 1713 से सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया गया जहाँ इलाज के दौरान 56 वर्षीय पिता सियाराम की भी मौत हो गयी। वरिष्ठ उपनिरीक्षक घनश्याम वर्मा, कांस्टेबल प्रमोद सिंह के साथ शव का पँचनांमा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही घटना के बाद घर में कोहराम मच गया है।

पूर्व मेयर प्रत्याषी के घर पर बज रही रामधुन को पुलिस ने रुकवाया

अलीगढ़ (एजेसी)। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. राजीव अग्रवाल के आगरा रोड स्थित आवास के बाहर बज रही रामधुन को पुलिस ने रेक दिया।इंस्पेक्टर सासनी गेट जावेद खान ने शहनाई वादक टीम को हड़काया।वाद्य यंत्र कलाकारों को धमकाया और तख्त हटवा दिए।एडीएम सिटी को घटनाक्रम से अवगत कराया।

भाजपा नेता राजीव अग्रवाल का कहना है कि आयोजन घर पर था।सार्वजनिक स्थान नहीं है।घर के सामने कलाकार थे।अयोध्या में राम जन्म भूमि पूजन को लेकर अलीगढ़ का पुराना शहर बुधवार को भगवा रंग में रंग गया।भव्य राम मंदिर निर्माण की भूमि पूजन के दिन पूरा शहर भगवामय हो गया।बारहद्वारी रोड, अचल ताल, पत्थर बाजार में हर घर– मंदिर पर भगवा झंडे लगे हैं।एटा चुंगी, रामघाट रोड पर भी यही माहौल। लोगों की जुबां पर बस भगवान श्री राम की ही चर्चा है।सुबह से ही हिंदुत्ववादी संगठनों का उल्लास देखते ही बन रहा है।शहर को भगवा रंग में रंगने की तैयारियां शुरू हो गईं हैं। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल आदि संगठनों ने दीपावली पर्व मनाने की ठान ली है।हिंदुत्ववादी संगठनों के सभी कार्यालय दीपों से जमगम हो उठेंगे।वहीं, शहर में भी लोग अपने घरों पर दीपक रखेंगे।सुबह से ही कार्यकर्ताओं का हुजूम अचलताल स्थित कार्यालय पर लगना शुरू हो गया है।सुबह अचलताल समेत शहर के 15 स्थानों पर एक साथ हवन शुरू हो गया।इसके बाद दिन भर कार्यक्रम चलेंगे।शाम को 1001 दीपक से कार्यालय जगमग हो उठेगा।

अवैध एवं जहरीली शराब की बिक्री बर्दाशत नहीं की जाएगीः प्रियदर्शी कमिष्नर जीएस प्रियदर्षी

अलीगढ़ (एजेसी)। मण्डलायुक्त जी.एस. प्रियदर्शी ने पंजाब राज्य में जहरीली शराब एवं आंध्र प्रदेश राज्य में सेनेटाइजर पीने से हुई व्यापक जनहानि सम्बन्धी समाचारों को गंभीरता से लेते हुए मण्डल में 07 अगस्त तक जहरीली एवं अवैध शराब के विरूद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिये कि मण्डल में अवैध एवं जहरीली शराब की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने उप आबकारी आयुक्त को टीमें गठित कर मण्डल में सघन स्तर पर अवैध एवं जहरीली शराब के विरूद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कमिश्नर द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में उप आबकारी आयुक्त ने मण्डल भर के जिला आबकारी अधिकारियों के नेतृत्व में क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन व सहायक आबकारी आयुक्त एसएसएफ (ए) नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक एसएसएफ (ए)ध्प्रवर्तन व अधीनस्थ स्टाफ के साथ टीमों का गठन किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि मण्डलायुक्त के निर्देशानुसार गठित टीमों द्वारा स्थानीय प्रशासन व पुलिस विभाग के सहयोग से राष्ट्रीयध्राज्य राजमार्गों पर संदिग्ध वाहनों की चौकिंग के साथ ही ढ़ाबों, संदिग्ध अड्डों, ग्राम, मुहल्लों, आबकारी अनुज्ञापनों का निरीक्षण एवं विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर अवैध एवं जहरीली की बिक्री करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब की बिक्री को समाप्त किया जाएगा।

महिला अस्पताल से भागी कोरोना ग्रसित गर्भवती

अलीगढ़ (एजेसी)।कोरोनावायरस कितना खतरनाक है यह सभी को लगभग पता चल ही गया होगा परंतु कुछ लोग ऐसे हैं कि इससे कोरोनावायरस को आम बीमारी समझ रहे हैं ऐसा ही एक मामला अलीगढ़ के मोहनलाल गौतम महिला चिकित्सालय में सामने आया है। जहां पर इलाज के दौरान आई एक महिला की पहले कोरोनावायरस की टेस्टिंग की गई जिसमें वह पॉजिटिव घोषित हुई इसके बाद जैसे ही इस महिला को पॉजिटिव की होने की खबर मिली तो यह महिला अपने पति के साथ अस्पताल से फरार हो गई।

बताया जाता है कि यह महिला सराय हकीम की रहने वाली है इसकी प्रसव होना था यह खबर जब अस्पताल में पहले तो वहां पर खलबली मच गई और आनन–फानन में महिला को ढूंढने के लिए सभी कर्मचारियों को लगा दिया गया परंतु महिला नहीं मिली इसके बाद आनन–फानन में मोहनलाल गौतम महिला चिकित्सालय के सीएमएस ने थाना बन्नादेवी में लिखित में तहरीर देते हुए महिला की गुमशुदगी एफ आई आर दर्ज कराई है। इधर सीएमओ ने बताया कि अस्पताल के माध्यम से महिलाओं को पॉजिटिव होने की खबर मिली है

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 1078 नए केसों के साथ कोरोना संक्रमितों की संख्या 66774 हुई

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात में आज का. रोना के 1078 नए केस सामने आए हैं और 23 मरीजों की मौत हो गईद्य जबकि 1046 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गयाद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत शहर में 187, अहमदाबाद शहर में 143,

वडोदरा शहर में 98, राजकोट शहर में 60, सूरत जिले में 50, जामनगर शहर में 45, अमरेली में 30, कच्छ में 27, भावनगर शहर में 26, मे. हसाणा में 24, मोरबी में 24,

सुरेन्द्रनगर में 22, भरुच में 21, भावनगर जिले में 21, जूनागढ़ शहर में 20, राजकोट जिले में 20, अहमद. ाबाद जिले में 18, दा. होद में 18, पंचमहल में 18, पोरबंदर में 17,वडोदरा में 17, गांधीनगर जिले में 16, बोटाद में 14, खेड़ा में 14, बना. सकांठा में 13, आणंद में 12, गांधीनगर शहर में 11, नवसारी में 11, साबरकांठा में 11, पाटन में 10, गिर सोमनाथ में 9, महीसागर में 9, नर्मदा में 8, तापी में 8, वलसाड में 7, जूनागढ़ में 5, अरवल्ली में 3, छोटाउदेपुर में 2, डांग में 2, देवभूमि द्वारका में 1 और जामनगर में 1 समेत कुल 1073 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आएद्य जबकि 1046 लोगों को डिस्च. ार्ज किया गया। इस दौरान सूरत शहर में 6, अहमदाबाद शहर में 5, राजकोट शहर–जिले में 5, जूनागढ़ शहर में 2, वडोदरा शहर में 2, गांधीनगर जिले में 1, जामनगर जिले में 1 और पाटन में 1 समेत कुल 23 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज राज्य में 24374 समेत अब तक कुल 879213 टेस्ट किए गए और उसमें 66777 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए।

66777 कोरोना पॉजिटिव मामलों में अब तक 49405 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं।

जबकि 2557 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है।

शेष 14815 सक्रिय मरीजों में 14739 मरीजों की हालत स्थिर है और 76 मरीज वेन. टीलेटर पर हैं।

राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 502907 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है।

जिसमें 501557 होम कोरन्टाइन और 1350 लोगों को फैसि. लिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

अयोध्या में भूमि पूजन के अवसर पर सूरत के वराछा क्षेत्र के मानगढ़ चौक में पूजा–अर्चना की गई। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख और सांसद सीआर पाटील आरती करते हुए

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से राष्ट्र निर्माण का संकल्प होगा साकारः मुख्यमंत्री

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने विश्वास जताया है कि अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों राम जन्मभूमि के स्थान पर राममंदिर के भूमिपूजन से राम मंदिर के भव्य निर्माण के जरिए राष्ट्रनिर्माण का संकल्प साकार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राममंदिर निर्माणदेश की एकता, अखंडता, स्वाभिमान, संस्कृति, परंपरा और सम्मान की रक्षा के लिए आने वाले दिनों में एक महत्वपूर्ण कारक बनेगा। भूमिपूजन से हर्षित विजय रूपाण ी ने अयोध्या में प्र ाानमंत्री के करकमलों से श्रीराम मंदिर के भूमिपूजन के अवसर को 21वीं सदी के इतिहास की स्वर्ण अक्षरों से लिखी जाने वाली घटना करार देते हुए कहा कि भारत माता जगत जननी और विश्व गुरु बने उस दिशा में हमें आगे बढ़ना है।रूपाणी ने मुख्यमंत्री आवास से सीएम डैशबोर्ड के जरिए अयोध्या में प्रधानमंत्री के हाथों श्रीराम मंदिर के भूमिपूजन का सीधा प्रसारण श्रद्धापूर्वक देखा। उन्होंने कहा कि पांच शताब्दी के बाद राम भक्तों के लिए राम लला को उनके जन्म स्थान पर भव्यतापूर्वक पुनःस्थापित करने का यह स्वर्णिम अवसर है। पांच सौ वर्षों की तपस्या और श्रद्धा आज राम लला के भव्य मंदिर के भूमिपूजन से साकार होने जा रही है।

उन्होंने कहा कि करोड़ों हिन्दुओं के हृदय में विराजने वाले भगवान श्रीराम के जन्म स्थान पर कई विवादों के बाद सर्वोच्च न्यायालय के द्व ारा फैसला देकर मार्ग आसान करने से अब राम मंदिर का निर्माण होगा।

कोरोना वैरियर्स कोरोना के सामने जंग हारने से वीनस होस्पिटल के स्टाफ तिरंगा में लपेटकर कर हितेश भाई को सन्मान दिया.

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन निहारते गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी।

हत्या की सिलसिला चल रहा सुरत में भेस्तान आवास में असामाजिक इमरान की हत्या

सुरत, बीते रात डिं. डोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में भेस्तान आवास में इमरान नामक व्यकित की हत्या कर दिया गया. जिसमें इमरान नामक व्यकित भी असामा. जिक कार्य में और पुलिसरिकोर्ड में हा. ने के बावजूदहत्या कर दिया गयाजिसमें अनेक सवाल पुलिस प्रशासन की ओर खड़े होते हैं, अगर इस तरह के लोग रहे हैं तो पुलिस कोई भी कार्यवाही क्यों नही करती, घटना होने के बाद जाँच का सिलसिला चालू हो जाता हैं, हत्या के बाद हरकत में आये पुलिसअब हत्यारों को खोजने में लगी हैं, जबकि सलाबतपुरा में एक दिन पहले भी इस तरह से एक हत्या हुआ था इस तरह की घटना से लगता हैं ई पुलिस इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही क्यों नही कर रही यह सवाल लोगों में खड़े हो रहे हैं ?

हालांकि डिंडोली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने की कोशीश कर रही हैं ! आरोपी के पकड़े जाने के बाद ही हत्या के कारणों का पता चल सकेगा.

गुजरात में भारी बारिश की संभावनाओं के बीच एनडीआरएफ 9 टीमें तैनात

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात में आगामी दिनों में भारी से अतिभारी बारिश के अनुमान को देखते हुए राज्य के अलग अलग जिलों में एनडीआरएफ की 9 टीमों को तैनात कर दिया गया हैं। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात, मध्य गुजरात और कच्छ–सौराष्ट्र के कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना है। बंगाल की खाडी में बने वेल मार्क लो प्रेशर और साइक्लोनिक सिस्टम के चलते राज्य में भारी बारिश हो सकती है। मछुआरों को आगामी तीन दिनों तक समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है।

मौसम विभाग द्वारा भारी से अतिभारी बारिश के अनुमान को देखते हुए राज्य सरकार अलर्ट हो गई है और संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए राज्य के अलग अलग जिलों में एनडीआरएफ की 9 टीमों को तैनात कर दिया है। जिसमें दक्षिण गुजरात में एनडीआरएफ की 3, सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात में 5 और 1 टीम को गांधीनगर में स्टेन्ड बाय रखा गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी तीन दिन गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। 7 अगस्त को सौराष्ट्र के पोरबंदर, मोरबी और देवभूमि द्वारका समेत कच्छ में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। जिसे देखते हुए सभी विभागों को अलर्ट कर दिया गया है और आवश्यक अग्रिम तैयारियों का आदेश दिया गया है।

बता दें कि गुजरात में मौसम की अब तक 45 प्रतिशत बारिश हुई है। बुधवार की शाम अहमदाबाद में तेज हवा के साथ बारिश हुई। इस दौरान अहमदाबाद के वस्त्रापुर में कंस्ट्रक्शन साइट पर एक कार पर दीवार ढहने से अफरातफरी मच गई।

बारिश और तेज हवा के कारण दीवार ढहने से कार में सवार एक शख्स जख्मी हो गयाद्य स्थानीय लोगों ने फौरन फायर और एम्ब्युलैंस को सूचना दीद्य मौके पर पहुंची एम्ब्युलैंस की मदद से घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया।

अहमदाबाद शहर के अलावा जिले की धोलका तहसील के कौंका, सिमेज, इंगोली इत्यादि गांव में आंधी के साथ तूफानी बारिश हुईद्य सरोडा, चलोडा, चंडीसर, केलिया, वासणा, बदरखा, आंबारेली, वालथेरा गांव में मूशलाधार बारिश के कारण जलजमाव हो गया।अहमदाबाद के अलावा राज्य की 92 तहसीलों में बारिश हुई। आणंद में सबसे अधिक 3 ईंच, जूनागढ़ के मांगरोल में 2, भावनगर में 2 ईंच जितनी बारिश हुईद्य इसके अलावा दाहोद, महीसागर, पंचमहल, साबरक. ांठा और अरवल्ली में कई जगह बारिश हुई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)